राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 01, अंक 19 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये जगदलपुर, गुरुवार 26 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नोएडा के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट मोड पर

नोएडा। नोएडा से एक चिंताजनक खबर सामने आई है, जहां शहर के कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकी के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। खास तौर पर सेक्टर-62 स्थित फादर एंजल स्कूल को मिले धमकी भरे मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्कूल प्रबंधन को ईमेल भेजकर परिसर में बम होने की सूचना दी गई। मेल मिलते ही स्कूल प्रशासन ने बिना देर किए एहतियातन कदम उठाए और अभिभावकों को तुरंत सूचना देकर बच्चों को स्कूल से वापस ले जाने के लिए कहा। इस दौरान स्कूल में मौजूद छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिससे किसी भी संभावित खतरे से बचाव किया जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही थाना सेक्टर-58 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पूरे स्कूल परिसर को अपने कब्जे में लेकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की मदद से स्कूल के हर कोने की गहन जांच की गई।

वाराणसी में सिलेंडर से गैस लीक, मकान ढहने से दो लोगों की मौत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार को गैस सिलेंडर लीक होने के कारण एक घर में धमाका हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। कुछ घायल हुए हैं जिनका इलाज हो रहा है। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गैस सिलेंडर से रिसाव के बाद विस्फोट होने की बात सामने आई है। घटना के समय घर में खाना बनाया जा रहा था और गैस लीक होने के कारण आग लग गई। उसके बाद अचानक धमाका हो गया, जिससे पूरा ढांचा गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर सिलेंडर मिला है। रेगुलेटर टूटा पड़ा था। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इलाके में एहतियातन निगरानी बढ़ा दी गई है।

अनंत सिंह चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा पर कायम

पटना । बिहार के मोकामा क्षेत्र से विधायक अनंत सिंह सोमवार की शाम जेल से रिहा हुए हैं। इस रिहाई के बाद बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने खुद को निर्दोष बताते हुए दुलारचंद यादव हत्या में फंसाने की बात कही। उन्होंने मंगलवार को चुनाव नहीं लड़ने की बात को भी दोहराई। विधायक अनंत सिंह मंगलवार को बड़हिया के लिए रवाना हुए। उनके साथ वाहनों का काफिला है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि घटना के समय वे मौके से करीब चार किलोमीटर दूर थे। उन्होंने साफ कहा कि हम निर्दोष हैं, हमें साजिश के तहत इस मामले में फंसाया गया है।

सर्वदलीय बैठक -सरकार को मिला विपक्ष का साथ

रिजिजू बोले-तेल की कोई कमी नहीं,हालात स्थिर

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर स्थिति पर गहन चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली। इस बैठक में सरकार ने साफसंदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वैश्विक हालात और पश्चिम एशिया के संकट पर विस्तार से जानकारी दी। कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा भी बैठक में मौजूद रहे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में सभी दलों ने हिस्सा लिया और सरकार के साथ खड़े होने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया गया और मौजूदा स्थिति पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। रिजिजू ने सभी दलों का धन्यवाद करते हुए कहा कि देशहित के मुद्दे पर राजनीतिक दलों ने एकजुटता दिखाई है और हालात के अनुसार सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसमें पूरा सहयोग मिलेगा। मंत्री ने आगे बताया कि सरकार की ओर से सभी सवालों और जो भी भ्रम थे, उन्हें पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया है। बैठक के अंत में विपक्षी दलों ने कहा कि वे सरकार द्वारा इस सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में सभी को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद के माध्यम से अपील की है कि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भारतीय संसद को एक साथ खड़ा होना चाहिए। मुझे लगता है कि विपक्ष ने परिपक्वता दिखाते हुए कहा कि वे सरकार द्वारा उठाए गए हर कदम के साथ खड़े रहेंगे। कई सदस्यों ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गैस और पेट्रोलियम सप्लाई के बारे में जानकारी मांगी थी और वे इस बात से संतुष्ट हैं कि भारत ने पहले ही चार जहाज सुरक्षित कर लिए हैं। रिजिजू ने आगे कहा कि सभी ने अपनी-अपनी पार्टियों की ओर से जानकारी साझा की और चिंताएं व्यक्त कीं। विपक्ष के सदस्यों ने ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष का भारत पर क्या असर पड़ेगा और सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए क्या कदम उठाए हैं, इस पर कई सवाल पूछे। सरकार ने इन सभी सवालों के व्यापक और स्पष्ट जवाब दिए। मैं यह कहकर संतुष्ट हूं कि सरकार ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया है। अंत में सभी विपक्षी साथियों ने कहा कि इस संकट की घड़ी में सरकार जो भी फैसला लेगी, उसमें वे एकजुट होकर समर्थन देंगे। विपक्ष की जो मांग थी कि उन्हें पूरी जानकारी दी जाए, वह सरकार ने आज दे दी है। सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में ऊर्जा संसाधनों की कोई कमी नहीं है। तेल की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सरकार ने बताया कि चार और जहाज भारत की ओर आ रहे हैं और कुछ अन्य जहाज जल्द ही होर्मुज क्षेत्र से निकलेंगे। इससे साफ है कि सप्लाई चेन को लेकर कोई बड़ा खतरा नहीं है।

सरकार ने विपक्ष को क्या जानकारी दी और क्या सवाल उठे?

बैठक में सरकार ने विपक्ष को मौजूदा हालात की पूरी जानकारी दी और उनके सवालों का जवाब भी दिया। विपक्ष ने सुरक्षा, तेल आपूर्ति और विदेश नीति को लेकर सवाल उठाए, जिन पर सरकार ने भरोसा दिलाया कि सभी पहलुओं पर नजर रखी जा रही है। सरकार ने कहा कि हर कदम सोच-समझकर उठाया जा रहा है। सरकार ने साफकहा कि वैश्विक हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जाएंगे। साथ ही आम लोगों से अपील की गई कि वे किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और घबराएं नहीं। सरकार का कहना है कि देश पूरी तरह तैयार है और किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है।

समय-सीमा संशोधन पर सरकार ने स्थिति साफ की

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में गैस सिलिंडर-सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समयसीमा में बदलाव को लेकर फैल रही खबरों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बुकिंग नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और मौजूदा व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय के अनुसार, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। सरकार ने इन दावों को भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले की तरह ही लागू रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन, जो सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे फैलाएं। साथ ही, अनावश्यक या घबराहट में एलपीजी बुकिंग करने से बचने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी तरह की कमी की कोई स्थिति नहीं है। सरकार ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, देश भर में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।

बजट से पहले दिल्ली विधानसभा, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का आज बजट पेश होना है, लेकिन इससे पहले ही बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। दिल्ली विधानसभा, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और विधानसभा मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह 7:28 बजे विधानसभा को और 7:49 बजे स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में एलजी तरनजीत सिंह संधू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह।

दिवाला संहिता से जुड़े नये कानून से रिफॉर्म एक्सप्रेस को गति मिलेगी-अनुराग

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता में संशोधन के लिए लाये गए विधेयक से रिफॉर्म एक्सप्रेस को और गति मिलेगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। ठाकुर ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने कंपनियों को खत्म करने के बजाय उन्हें बचाने और आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने

कहा, इस विधेयक से रिफॉर्म एक्सप्रेस को और गति मिलेगी तथा भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। भाजपा सांसद ने दावा किया कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के दौरान कभी भी बैंकों का संपत्ति गुणवत्ता मूल्यांकन नहीं किया गया।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मिली अग्रिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मीडिया में नहीं देंगे कोई साक्षात्कार

प्रयागराज/ एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके सहयोगी मुकुंदानंद गिरी को यौन शोषण मामले में अग्रिम जमानत दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने आवेदकों, पीड़ितों और शिकायतकर्ता तीनों पक्षों को इस मामले के लंबित रहने तक मीडिया में कोई भी साक्षात्कार देने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकलपीठ ने दिया है। स्वामी आशुतोष ब्रह्मचारी ने शंकराचार्य और मुकुंदानंद के

खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग में बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) के समक्ष आवेदन किया था। आरोप था कि जनवरी 2025 (महाकुंभ) से फरवरी 2026 (माघ मेला) के बीच प्रयागराज में दो किशोरों के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। विशेष न्यायाधीश के आदेश पर झुंसी थाने में विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में शंकराचार्य व अन्य ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत अर्जी दायर की थी।याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि यह प्राथमिकी केवल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की छवि खराब करने के उद्देश्य से दर्ज कराई गई है। पीड़ितों का उनके आश्रम या स्कूल से कभी कोई संबंध नहीं रहा।

इंसाफ के लिए आप अपने मंत्री पर भी एक्शन से पीछे नहीं हटती और बीजेपी अपनों को बचाने के लिए न्याय की बलि चढ़ा देती है

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने गंभीर आरोप लगने के बाद अपने ही मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार करा दिया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पहले ही लालजीत भुल्लर का मंत्री पद से इस्तीफा ले लिया था और अब पुलिस को आदेश देकर उन्हें गिरफ्तार करा लिया। "आप" के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवंत मान सरकार के इस कड़े एक्शन की खुले दिल से सराहना करते हुए भाजपा को आइना भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि इंसाफ के लिए "आप" अपनी सरकार के मंत्री पर भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटती है।

वित्त विधेयक लोकसभा से पारित

निर्मला सीतारमण बोलीं-भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार......

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में 32 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद पारित हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सुधार किसी मजबूरी में नहीं, बल्कि स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस भरोसे पर आधारित टैक्स सिस्टम बनाने पर है, जिसके तहत ईमानदार करदाताओं के लिए परेशानियां कम की जा रही हैं। टैक्स प्रशासन को अधिक पारदर्शी और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वित्त मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए 17 जरूरी जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से मुक्त करने का भी एलान किया। इससे इन दवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है और मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा। छोटे करदाताओं के लिए भी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट पाने के लिए नियम-आधारित ऑटोमेटेड ऑनलाइन सिस्टम लागू किया गया है, जिससे समय और जटिलता दोनों कम होंगे। इसके अलावा, सीतारमण ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा वसूले गए सेस और सरचार्ज से अधिक राशि राज्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत खर्च की जा रही है, जिससे राज्यों को वित्तीय सहयोग मिलता है।

किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों की नवरात्रि भी हुई समृद्ध

सीएम साय ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत राशि का किया अंतरण

- प्रदेश के 4.95 लाख से अधिक भूमिहीन कृषकों के खातों में 495 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित
- सुशासन सरकार की सतत पहल से किसान, मजदूर और महिलाओं को मिल रहा मजबूत आर्थिक संबल

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बलौदा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि श्रम और सम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को

सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने इस वर्ष उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 18 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि भूमिहीन कृषि मजदूरों को दी जा रही है, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। साथ ही तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः संचालन तथा रामलला दर्शन एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाओं के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि कोरोना काल में लंबित बिलों के निपटान हेतु विशेष छूट एवं आसान किस्तों की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह योजना जून तक संचालित होगी और प्रदेशभर में इसके लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश के समग्र विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज संपदा, कृषि और वन उत्पादों के बेहतर उपयोग से छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का लक्ष्य है।

जवाहर नवोदय विद्यालय पेंटा सुकमा में करियर मार्गदर्शन एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

सुकमा। जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा सुकमा-1 में आज करियर मार्गदर्शन एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संजय कुमार मंडल प्राचार्य प्रभारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमांशु पांडेय, कमांडेंट (सीओ), बटालियन 74 थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत एवं सम्मान के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसे कक्षा 11वीं के कोयर समूह ट्विंकल, वैजयंती, मीनाक्षी, आयशा, कंचन और महक द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में आयुष (हारमोनियम), अविनाश (तबला), बिक्रम (काजोन) तथा प्रियांशु (खंजरी) ने संगत दी। यह संपूर्ण प्रस्तुति डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा मलय कुमार गयेन, पूजा गौतम (पीजीटी बायोलॉजी), कृष्णा भलावी (पीईटी, महिला) तथा संजय कवाडे (एसएसटी) के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का संचालन (एंकरिंग) विद्यालय की स्पोर्ट्स लीडर सुरभि यादव द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया। इसके पश्चात सभी सीसी, लीडर्स द्वारा मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया, जिसमें पलक, युक्ति सहित अन्य छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि हिमांशु पांडेय ने छात्रों से संवादात्मक शैली में कुछ प्रश्न पूछकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिनमें एनडीए तथा अन्य सशस्त्र बलों के अवसर प्रमुख रहे। उन्होंने इन क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए सही तैयारी, योजना, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प के महत्व पर विशेष बल दिया।

श्री पांडेय ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास, धैर्य और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि भ्रमित न हों, अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्र का चयन करें और उसी दिशा में समर्पण के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों का सम्मान करें, क्योंकि वे सदैव सही मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं।

साथ में उन्होंने साइबर सिक्योरिटी का भी एक सेशन लिया साइबर सुरक्षा के विस्तृत पहलुओं की जानकारी दी। वर्तमान में डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड आम बात हो गई है, उसे कैसे बचा जा सकता है, इस बारे में विस्तृत जानकारी उनके द्वारा दी गई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सुरक्षा के साथ.साथ आज्ञान के अंधकार को भी दूर कर रहा है।

कार्यक्रम के अंत में छात्रों के साथ एक फीडबैक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। अंततः प्राचार्य (प्रभारी) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। यह कार्यक्रम अपने सभी उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की सफल पूर्ति करते हुए गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

खल्लारी माता मंदिर रोप-वे हादसा: जांच के लिए टीम पहुंची घटनास्थल

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद के खल्लारी माता मंदिर में 22 मार्च को हुए भीषण रोप-वे हादसे में अब तक 2 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, अब भी 2 की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इन सब के बीच आज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित टीम ने घटनास्थल का बारिकी से जांच की। जांच कमेटी संयोजक व खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, सरायपाली विधायक चातुरीनंद, पूर्व प्रभारी महामंत्री अमरजीत चावला, बागबाहरा जनपद अध्यक्ष केशव चंद्राकर आज घटना स्थल पहुंचे। वहाँ उन्होंने पहाड़ी के नीचे स्थित रोप-वे स्टेशन का निरीक्षण किया और उसके संचालन की जानकारी ली। बाद वे तार टूटने से गिरी ट्रॉली का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहाँ उपस्थित स्थानीय लोगों से घटनाक्रम व रोप-वे संचालन के विषय में भी जानकारी ली।

शीला टाकेश सिन्हा के हाथों हुआ मोहबा में विकास कार्यों का भूमिपूजन

राजनांदगांव। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत सिंगपुर के आश्रित ग्राम मोहबा में विकास कार्यों की नई शुरुआत की गई। जिला पंचायत विकास निधि एवं जनपद विकास निधि से स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत सिंगपुर अंतर्गत आश्रित ग्राम मोहबा में चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर विकास कार्यों का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण, जैत खाम निर्माण एवं हाई मास्क लाइट स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की आधारशिला रखी गई। यह सभी कार्य जिला पंचायत विकास निधि एवं जनपद पंचायत विकास निधि के माध्यम से स्वीकृत किए गए हैं, जिससे ग्राम के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा, सभापति जिला पंचायत राजनांदगांव उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती अनीता डिगेन्द्र सिन्हा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव एवं परदेशी सोनबोइर, अध्यक्ष भाजपा तिलई मंडल शामिल हुए। इसके अलावा ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधियों में श्री भूषण जांगड़े सरपंच, श्री कामता साहू पूर्व सरपंच, बिशन साहू उपसरपंच सहित पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम विधि-विधान से संपन्न किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्राम मोहबा में आवागमन, स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों का सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

चेतक स्क्रीन अवाड्स: 24 नॉमिनेशंस के साथ 'धुरंधर' सबसे आगे; 5 अप्रैल के समारोह से पहले 'सैयारा' और 'होमबाउंड' भी दौड़ में शामिल

द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की 'स्क्रीन एकेडमी' ने आगामी 5 अप्रैल को होने वाले 'चेतक स्क्रीन अवाड्र्स' के लिए सभी 31 श्रेणियों में नामांकनों की घोषणा कर दी है। यह समारोह 2025 की सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्मों और OTT कंटेंट के सम्मान में आयोजित किया जाएगा। आदित्य धर की स्पाय थ्रिलर 'धुरंधर' 24 नॉमिनेशंस के साथ सबसे आगे रही, जबकि मोहित सूरी की 'सैयारा' ने 17 और नीरज घेवान की 'होमबाउंड' ने 15 श्रेणियों में अपनी जगह बनाई। ये नॉमिनेशंस थिएटर और OTT, दोनों प्लेटफॉर्म्स की फिल्मों के लिए हैं, जो आज के भारतीय सिनेमा की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं।

पूरी तरह निष्पक्ष और केवल योग्यता पर आधारित प्रक्रिया- 1995 में शुरू हुए 'स्क्रीन अवाड्र्स' अपनी संपादकीय निष्पक्षता के लिए जाने जाते हैं। इसका संचालन 'स्क्रीन एकेडमी' करती है।

घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले के खिलाफ, बागबाहरा पुलिस की कार्यवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद पुलिस के 卐शिकायत हेल्प डेस्क संवाद व्हाट्सएप्प मोबाइल नंबर-9479229939 पर मिली गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्यवाही।

सूचना पर घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले के खिलाफ बागबाहरा पुलिस ने की कार्यवाही।

अवैध गैस सिलेंडर रखने वालों के ठिकानो में दी गयी दबिश, आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आरोपी गिरफ्तार। 02 नग एचपी खाली गैस सिलेंडर एवं रिफिलिंग करने का उपकरण जप्त।

इस व्हॉटसअप नंबर पर आम जनता अपने क्षेत्र कि अवैधानिक गतिविधियो की शिकायत भेज सकते है, गुप्त सूचना के लिए 1 या शिकायत के लिए 2 विकल्प चुनें, नाम पता गोपनीय रखा जावेगा।

जिले में घरेलू गैस का अवैध कारोबार के खिलाफ महासमुंद पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बागबाहरा पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले के राजकुमार पटेल पिता श्याम लाल पटेल उम्र 38 साल निवासी वार्ड नंबर दो झलप चौक बागबाहरा थाना बागबाहरा, के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। गैस रिफिलिंग के अवैध ठिकाने पर छापेमारी कर बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मौके से घरेलू एलपीजी सिलेंडर गैस रिफिलिंग पाइप इलेक्ट्रिक तौल मशीन और अन्य खतरनाक उपकरण जब्त किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 63/26 धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम व धारा 288 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट मे पेश किया गया है।

पुलिस अधीक्षक महासमुंद ने आम जनता से अपील की है कि महासमुंद पुलिस के शिकायत हेल्प डेस्क-संवाद व्हाट्सएप्प मोबाइल नंबर-9479229939 को अपने मोबाईल पर सेव करें व अपने आस पास होने वाली अवैधानिक गतिविधियों की शिकायत ,सूचना इस नंबर पर भेजें।

गुप्त सूचना के लिए 1 या शिकायत के लिए 2 विकल्प चुनें, सूचक का नाम पता गोपनीय रखा जावेगा।

गिरफ्तार आरोपी-

01- राजकुमार पटेल पिता श्याम लाल पटेल उम्र 38 साल निवासी वार्ड नंबर दो, झलप चौक बागबाहरा थाना बागबाहरा जिला महासमुंद (छ.ग.)

जब्त संपत्ति-

01- कुल 07 नग खाली गैस सिलेंडर एवं अन्य रिफलिंग उपकरण कीमती 9000 रुपये।

02- इक्को वाहन क्रमांक सीजी 04 एमएस 7570, कीमती 3,00,000 रुपया।

03- मारुति कार वेगानार क्रमांक सीजी 04 एम एस 7570 कीमती 5,00,000 रुपया ।

जुमला जब्त संपत्ति कीमत 8 लाख 09 हजार रुपया।

स्टेशनपारा में वर्षों से अधूरे पड़े अंडरब्रिज निर्माण को लेकर कांग्रेस नेता आसिफ अली ने रेलवे प्रबंधक से की मुलाकात

राजनांदगांव। स्टेशनपारा क्षेत्र में वर्षों से अधूरे पड़े रेलवे अंडरब्रिज निर्माण को लेकर कांग्रेस नेता आसिफ अली ने बुधवार को पुनः रेलवे स्टेशन प्रबंधक से मुलाकात की और अंडरब्रिज निर्माण को जल्द से जल्द शुरू करने की बात किया।

मुलाकात के दौरान स्टेशन प्रबंधक बर्मन ने अंडर ब्रिज निर्माण कार्य में लगे इंजीनियर से दूरभाष से चर्चा की निर्माण कार्य की वस्तु स्थिति से अवगत हुए और उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पुरा कर दिया जाएगा। इस अवसर पर किशन खंडेलवाल, परशुराम जायसवाल, जुगल किशोर और मन्ना यादव भी मौजूद रहे।

आसिफ अली ने बताया कि इससे पहले भी उन्होंने वार्डवासियों के साथ आंदोलन कर ज्ञापन सौंपा था। हालांकि, इंजीनियरों द्वारा निरीक्षण के बाद मार्च-अप्रैल में कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ।

आसिफ अली ने चेतावनी दी कि यदि अप्रैल माह तक कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे वार्डवासियों के साथ आंदोलन और चक्का जाम करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।

इस दौरान किशन खंडेलवाल ने प्रबंधक से अपील की कि उच्च अधिकारियों से चर्चा कर अंडरब्रिज निर्माण जल्दी प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने स्टेशन के फ्लैटफॉर्म में गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पानी, पंखे और बिजली व्यवस्था सुचारू रखने की भी मांग की।

भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित

पिथौरा जनपद सभागार में पात्र हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए

पिथौरा(समय दर्शन)। जनपद पंचायत पिथौरा सभागार में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हितग्राही, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे और पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से योजना का शुभारंभ किया गया, जिसका सीधा प्रसारण पिथौरा जनपद सभागार में भी किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा योजना के उद्घाटन के पश्चात पिथौरा में भी हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए तथा उपस्थित जनों ने मुख्यमंत्री का प्रेरणादायी उद्बोधन सुना। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्रदेश के 4.95 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया। इसके पश्चात स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर योजना का लाभ दिया गया। प्रमाणपत्र वितरण के दौरान हितग्राहियों के चेहरे पर प्रसन्नता और संतोष का भाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जो इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा घृतलहरें उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद ने की। उनके साथ जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जनपद सदस्य पुरुषोत्तम घृतलहरें, सांसद प्रतिनिधि मनमीत सिंह छाबड़ा, लक्ष्मीकांत सोनी, सुशील भोई एवं पुष्पकांत पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ योगेश्वरी बर्मन, तहसीलदार मनीषा देवांगन, नायब तहसीलदार ललित सिंह, नगर पंचायत सीएमओ बिरझुराम सोनबेर, उमेश दीक्षित सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना मे घायल युवक को पत्रकार ने पहुंचाया अस्पताल. बेहतर इलाज के बाद बची जान

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। मंगलवार देर शाम विक्रम भाट पिता हिरा लाल भाट. उम्र 34 सड़क दुघर्टना में घायल हो गया था जिसे बिर्रा क्षेत्र के पत्रकार साहिल राज लहरे में घायल युवक को अस्पताल पहुंचा कर उसका इलाज करा कर उसकी जान बचाई है युवक के चोट- सिर. पैर. चेहरा. घायल युवक ने बताया की वह बिर्रा से अपने घर तालदेवरी मोटरसाइकिल से आ रहा था इसी दौरान उसके गाड़ी के सामने गाय आ गया और वह गाय से टकरा के घायल हो गया था वहां से गुजर रहे पत्रकार साहिल राज लहरे और उनके दोस्त सूर्या आगरे एवं शुभम मनहर के द्वारा अपने निजी वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनीडीह अस्पलात पहुचाया गया और प्राथमिक उपचार कराया. साहिल राज लहरे ने कहा मानवता सबसे बड़ी है जब भी रास्ते मे कभी कोई एक्सीडेंट होती है तो हमे अनदेखा नही करना चाहिए बल्कि यथा शीघ उनकी मदद करनी चाहिए लोग जानकारी के अभाव में पुलिस कोर्ट कचहरी से बचने के लिए छोड़ कर चले जाते है लेकिन हमारा छोटा सा मदद और प्रयास किसी को जिंदगी दे सकता है।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी जांजगीर में यूकेजी विद्यार्थियों का भव्य ग्रेजुएशन समारोह आयोजित

जांजगीर //समय दर्शन // ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं संस्था प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक- 25 मार्च 2026 को यूकेजी (न्ज्ञळ) कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य एवं भावनात्मक ग्रेजुएशन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय प्रांगण में उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य नन्हे-मुन्ने बच्चों के शैक्षणिक जीवन के प्रथम पड़ाव को यादगार बनाना तथा उन्हें अगली कक्षा के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षिका गार्गी सिंह एवं नीलम सिंह द्वारा प्रभावशाली परिचय के साथ हुई। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया। इसके पश्चात अभिभावकों एवं अतिथियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी गरिमामय बन गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन की पवित्र परंपरा निभाई गई, जो ज्ञान और उजाले का प्रतीक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप जलाकर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। तत्पश्चात प्री-प्राइमरी शिक्षिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मधुर संगीत और भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यूकेजी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। नन्हे-नन्हे बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में सजे हुए मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही विद्यालय की प्राचार्य महोदया ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रेरणादायक संबोधन दिया। कार्यक्रम में यूकेजी के छात्र जोनेल द्वारा वाद्य यंत्र पर एकल प्रस्तुति भी दी गई, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रही। उसकी प्रस्तुति ने यह सिद्ध किया कि छोटे बच्चे भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके बाद यूकेजी के विद्यार्थियों ने एप्रॉन पहनकर मंच पर भव्य प्रवेश किया, तथा संस्था की प्राचार्या द्वारा ग्रेजुएशन कैप पहनाकर प्रमाण-पत्र दिया गया। जो उनके ग्रेजुएशन की प्रतीकात्मक झलक थी। इस दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस किया। कार्यक्रम में निदेशक महोदय द्वारा भी प्रेरणादायक भाषण दिया गया, जिसमें उन्होंने बच्चों को आगे बढ़ाने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्री-प्राइमरी शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत विदाई गीत ने पूरे माहौल को भावुक बना दिया। गीत के माध्यम से शिक्षकों ने बच्चों के साथ बिताए गए समय की यादों को साझा किया। इसके पश्चात कक्षा 1 के शिक्षकों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया, जो यूकेजी के विद्यार्थियों के अगले शैक्षणिक चरण में प्रवेश का प्रतीक था। समारोह का सबसे महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब यूकेजी के विद्यार्थियों को उनकी शिक्षिका रानू शर्मा द्वारा औपचारिक रूप से कक्षा 1 की शिक्षिका निशा सिंह को सौंपा गया। यह दृश्य न केवल भावुक था, बल्कि बच्चों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक भी था। कार्यक्रम में अभिभावकों ने भी अपने विचार साझा किए और विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। विशेष रूप से दो यूकेजी विद्यार्थियों के दादा-दादी को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया, जो समारोह का एक भावुक और सम्मानजनक पल रहा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों और अभिभावकों के लिए जूस की व्यवस्था की गई, जिससे सभी ने इस अवसर का आनंद लिया। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने एक साथ समूह फोटो खिंचवाकर इस यादगार दिन को सहेज लिया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन और समन्वय सरिता प्रधान द्वारा किया गया, जिनके कुशल नेतृत्व में यह आयोजन अत्यंत व्यवस्थित और सफल रहा। इस ग्रेजुएशन समारोह ने न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि उनके जीवन में एक नई दिशा और प्रेरणा भी प्रदान की। इस प्रकार ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, बनारी जांजगीर का यह ग्रेजुएशन समारोह एक अविस्मरणीय अनुभव बनकर सभी के दिलों में बस गया।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को 6 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को विकास की नई दिशा देते हुए 6 करोड़ रुपए से अधिक से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात दी। स्थानीय हॉकी खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन पहुंचकर कार्यों का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से किए जा रहे ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सौगात बोड़ला के आने वाले वर्षों को विकास की दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष श्री विजय पाटिल, श्री नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नगर पंचायत श्री लव निर्मलकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, श्री नन्द श्रीवास, श्री मोहन धुर्वे, श्री राम किंकर वर्मा, श्री एम. डी. ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बोड़ला नगर में अब बांध से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जहां पानी फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्ध होकर घर-घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इसे नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति बताया और कहा कि ग्रेविटी आधारित यह जल व्यवस्था न केवल सुविधाजनक है, बल्कि टिकाऊ और प्रभावी भी है। पेयजल की बेहतर व्यवस्था और नगर को उन्नत बनाना शासन की प्राथमिकता है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में कभी नक्सली जंगलों में बंदूक लेकर घूमते थे, लेकिन अब नक्सल पुनर्वास नीति के तहत वे मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग पहले हिंसा के रास्ते पर थे, वे आज लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के लिए विधानसभा तक पहुंच रहे हैं और वहां की कार्यवाही देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की घोषणा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को प्रदेश में मजबूती से लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस दिशा में कार्य करने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 600 से अधिक पुनर्वासित नक्सली विधानसभा का भ्रमण कर चुके हैं और लोकतंत्र की प्रक्रिया को करीब से समझ रहे हैं, जबकि ढाई हजार से अधिक नक्सली पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार बाहरी व्यक्ति की पहचान के लिए सुनियोजित प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक जिले में टास्क फोर्स का गठन किया गया और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बाहरी व्यक्ति का चिन्हांकन कर उनकी पहचान सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

5.12 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन– प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला में 512.56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 02 में 146.83 लाख रुपए की लागत से उन्नत (हॉकी) खेल मैदान निर्माण प्रमुख है।

संक्षिप्त समाचार

सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान मृत मजदूरों के परिजनों से मिले विधायक सुनील सोनी

रायपुर। विगत दिनों सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन मजदूरों—गोविंद सेंद्रे, अनमोल मचकन एवं प्रशांत कुमार—की हुई दु:खद मृत्यु पर क्षेत्र में शोक का माहौल है। इस हृदय विदारक घटना के पश्चात आज माननीय विधायक श्री सुनील सोनी जी भाटागांव बीएसयूपी एवं सिमरन सिटी बीएसयूपी पहुंचकर दिवंगत मजदूरों के परिजनों से भेंट की एवं उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक श्री सोनी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस दु:ख की घड़ी में वे पूरी तरह से परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री संतोष सोनी, पार्षद श्री रवि सोनकर एवं पार्षद श्री रमेश सपहा भी उपस्थित रहे ।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से 30 .41 करोड़ रुपए की सड़क परियोजना को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास को बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के बीरपुर (एनएच-43) से केवरा तक लगभग 18 किलोमीटर लंबाई की सड़क चौड़ीकरण एवं पुलिया निर्माण कार्य के लिए 3041.18 लाख रुपए (लगभग 30.41 करोड़ रुपए) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार उक्त सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण, पुलिया निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, भूमि उपलब्धता, निविदा प्रक्रिया तथा समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इस सड़क परियोजना से बीरपुर से केवरा तक आवागमन सुगम होगा और ग्रामीण क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजमार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। स्थानीय व्यापार, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी । साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सड़क सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। भटगांव विधानसभा के समग्र विकास के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे।

भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि बनी सहारा

रायपुर। भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की राशि बनी सहारामुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण का कार्यक्रम कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आया। यह सिर्फआर्थिक सहायता नहीं, बल्कि संघर्षरत परिवारों के लिए संबल और आत्मविश्वास का आधार बन रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम संकरी की महिला हितग्राही श्रीमती चमेली सेन की आंखों में उस समय भावनाएं छलक उठीं, जब उन्हें मुख्यमंत्री के हाथों 10 हजार रुपए का चेक प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि उनके पास कृषि भूमि का एक छोटा सा टुकड़ा भी नहीं है। सिलाई मशीन के सहारे घर चलाने वाली चमेली और सैलून चलाने वाले उनके पति, सीमित आय में अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उनके दो बच्चे हैं, एक नर्सिंग और दूसरा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रहा है। यह राशि मेरे बच्चों की स्कूल फीस भरने में काम आएगी। हमारे जैसे परिवार के लिए यह बहुत बड़ी मदद है, कहते हुए उनकी आवाज में संतोष और उम्मीद साफ झलक रही थी। इसी गांव के एक अन्य हितग्राही धन्नूलाल धीवर के चेहरे पर भी राहत और खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने बताया कि उनका जीवन पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है। पिछले वर्ष भी उन्हें 10 हजार रुपए की सहायता मिली थी और इस वर्ष भी उतनी ही राशि प्राप्त हुई है। धन्नूलाल ने कहा, हम दोनों पति-पत्नी साथ रहते हैं और मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 600 छात्राओं को दिखाई द केरल स्टोरी 2

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले में विभिन्न महाविद्यालयों की लगभग 600 छात्राओं को सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' दिखाई गई। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में बेटियों को शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को समाज में घटित होने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौतियों की जानकारी मिलना जरूरी है, ताकि वे सही निर्णय लेने में सक्षम बन सकें और अपने जीवन को सुरक्षित एवं सशक्त दिशा दे सकें। उन्होंने कहा कि बेटियों का आत्मविश्वास और जागरूकता ही उनके सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता करते हुए सामाजिक मुद्दों पर आधारित इस फिल्म को देखा और महत्वपूर्ण संदेशों से अवगत हुईं।

स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफछत्तीसगढ़ के तकनीकी सहयोग से बच्चों में गैर-संचारी रोगों पर राज्य स्तरीय परामर्श आयोजित

रायपुर। बच्चों में बढ़ते गैर-संचारी रोगों (एनसीडी), विशेषकर बाल मधुमेह, सिकल सेल रोग एवं जन्मजात हृदय रोग की रोकथाम, शीघ्र पहचान तथा प्रभावी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रायपुर में श्री संजीव कुमार झा (संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं) की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय परामर्श का आयोजन किया गया। इस परामर्श का मुख्य उद्देश्य राज्य में बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना, बहु-विभागीय समन्वय को बढ़ावा देना तथा गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं सुदृढ़ रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में एनसीडी की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियों एवं भावी प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने शीघ्र पहचान, दवाओं की सतत उपलब्धता, उपचार अनुपालन तथा मजबूत रेफरल तंत्र को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। सिकल सेल रोग प्रबंधन हेतु जशपुर मॉडल को एक प्रभावी एवं अनुकरणीय पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया। पैनल चर्चाओं में बाल मधुमेह एवं सिकल सेल रोग के समग्र प्रबंधन, निजी क्षेत्र की भागीदारी, सामुदायिक सहयोग तथा सामाजिक कलंक को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। समूह कार्य के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्क्रीनिंग बढ़ाने, उपचार अनुपालन सुधारने तथा सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाने हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में AIIMS रायपुर एवं पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञों के साथ-साथ भारतीय चिकित्सा संघ (IMA) एवं भारतीय शिशु रोग अकादमी (IAP) के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का सफल संचालन यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में, एकम फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। तकनीकी सत्रों में डॉ. खेमराज सोनवानी (उप संचालक, सिकल सेल), डॉ. वी.आर. भगत (उप संचालक, शिशु स्वास्थ्य)एवं श्री सुबोध धर शर्मा (राज्य सलाहकार, NP-NCD) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सलाहकार उपस्थित रहे। परामर्श में ट्राइबल वेलफेयर विभाग, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधियों की सहभागिता से बहु-विभागीय समन्वय को और सुदृढ़ किया गया।

बंगाल-असम में पूर्ण बहुमत का दावा, दक्षिण में भी बढ़ रहा भाजपा का जनाधार: बृजमोहन अग्रवाल

अब देश में केवल 'विकासवाद' चलेगा, कांग्रेस की तुष्टिकरण और बांटने वाली राजनीति का अंत तय : बृजमोहन अग्रवाल

जातिवाद और भय की राजनीति को जनता ने किया खारिज, अब विकास ही चुनाव का मुद्दा: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर :- देश की जनता को पूर्ण विश्वास है कि यदि कोई भारत को वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बना सकता है, तो वह केवल प्रधानमंत्री मोदी का दृढ़ नेतृत्व ही है। यह कहना है सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल का

आगामी विधानसभा चुनाव में - विभिन्न राज्यों में भाजपा की स्थिति पर चर्चा करते हुए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, कि , चाहे पश्चिम बंगाल हो, असम हो, तमिलनाडु हो या पुडुचेरी—हर जगह भाजपा का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। बंगाल और असम में हम पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे हैं, वहीं दक्षिण भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी भाजपा की विकासपरक नीतियों के कारण जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने देश के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और आगामी चुनावों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत अब जातिवाद और भय की राजनीति से बाहर निकल चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अब केवल और केवल 'विकासवाद' की राह पर चल पड़ा है।

कांग्रेस पर तीखा हमला- श्री अग्रवाल ने कांग्रेस की पुरानी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा, एक समय था जब कांग्रेस पार्टी जातिवाद के आधार पर लोगों को बांटकर और समाज में डर पैदा कर चुनाव जीतती थी। लेकिन आज की जागरूक जनता यह समझ चुकी है कि राजनीतिक दुर्भावना के कारण वे विकास से महरूम नहीं रह सकते। जनता अब नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है।

अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता विकास- भाजपा सरकार के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के सुदूर क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाई हैं। उन्होंने कहा, आज देश के हर नागरिक को शुद्ध पानी, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, कुकिंग गैस और बेहतरीन सड़कें चाहिए। मोदी सरकार ने इंटरनेट से लेकर रेल कनेक्टिविटी तक, हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है।

शिक्षा के क्षेत्रों में नई अलख- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े 123 स्कूल फिर से गुलज़ार

रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख, सरकार और सुरक्षाबलों की पहल से जगी है, दुर्गम इलाकों में मॉडल स्कूल, 'नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं और समर्पित शिक्षकों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जो अब फर्राटेदार अंग्रेजी बोलकर और तकनीकी कौशल सीखकर अपना भविष्य संवार रहे हैं। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुदूर क्षेत्रों में अब शिक्षा का उजाला फिर से फैलने लगा है। शासन के सतत प्रयासों और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही योजनाओं के कारण सुकमा जिले में बंद पड़े स्कूलों को पुन: संचालित किया गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिली है। अब इन क्षेत्रों में बंदूक की गूंज की जगह स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई, ककहरा और किताबों की सरसराहट सुनाई दे रही है, जो एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य का संकेत है। वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के चलते सुकमा जिले के कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे, जिनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक विद्यालय शामिल थे। प्रशासन के लगातार प्रयासों से अब इन सभी स्कूलों को पुन: प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में जिले में एक भी ऐसा विद्यालय नहीं है जो नक्सल प्रभाव के कारण बंद हो। नक्सल आतंक से कभी छूटा था स्कूल, अब सुशासन से फिर जागी शिक्षा की अलख,उम्मीदों को मिल रहा सहारा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भय के कारण बंद हुए स्कूल फिर से खुल रहे हैं। स्कूल छोड़ चुके बच्चों की स्कूल में वापसी हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शिक्षा का उजियारा बस्तर क्षेत्र की हर दिशा में फैल रहा है। शिक्षा के विस्तार और छात्रों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए जिले में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। वर्तमान में 16 पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र अध्ययनरत हैं। इसके साथ ही 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 (कक्षा 6वीं से 12वीं) के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं तथा टाइप-4 (कक्षा 9वीं से 12वीं) के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

870 युवा अधिकारियों को दी बधाई, कहा – संवेदनशीलता, ईमानदारी और दक्षता से निभाएं जनसेवा का दायित्व

कैबिनेट मंत्री ने पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा पुलिस अधिकारियों से की मुलाकात

रायपुर। चंदखुरी स्थित राज्य पुलिस अकादमी में में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नव-नियुक्त युवा पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल एक परिधान नहीं, बल्कि विश्वास, कर्तव्य और त्याग का प्रतीक है, जिसे धारण करने वाले प्रत्येक अधिकारी पर समाज की सुरक्षा और न्याय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

कैबिनेट मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने चंदखुरी स्थित राज्य पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा पुलिस अधिकारियों से की मुलाकात

मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब एक सामान्य नागरिक निश्चिंत होकर सोता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस निभाती है। जब अंधेरे में कोई भयभीत होता है, तो उसे उम्मीद भी पुलिस से ही होती है। ऐसे में पुलिस केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के विश्वास का आधार है।

उन्होंने आगे कहा कि आज 870 युवा प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहां से वे छत्तीसगढ़ की सुरक्षा, शांति और न्याय व्यवस्था की मजबूत रीढ़ बनने जा रहे हैं। यह केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे राज्य के विश्वास और अपेक्षाओं का प्रतीक है।

राज्य में बदलते सुरक्षा परिदृश्य का उल्लेख करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने पिछले वर्षों में नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। उन्होंने इसके लिए देश के नेतृत्व और सुरक्षा बलों के साहस व समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब चुनौतियां बदल चुकी हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से फैलती अफवाहें नई चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और संवेदनशील बनना होगा।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि इस बैच में लगभग एक चौथाई बेटियों की भागीदारी प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने महिला अधिकारियों को समाज में सुरक्षा और सशक्तिकरण की नई पहचान बताया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की कि वे जनता के साथ संवेदनशीलता और सम्मान का व्यवहार करें तथा अपने कार्य में ईमानदारी और निष्पक्षता को सर्वोपरि रखें।

उन्होंने यह भी कहा कि एक अच्छा पुलिस अधिकारी वही होता है, जो अपनी टीम को साथ लेकर चलता है और संकट की घड़ी में सबसे आगे खड़ा रहता है। साथ ही, जहां भी उनकी नियुक्ति हो, वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए जनता के साथ विश्वास का रिश्ता बनाना चाहिए।

अपने संबोधन के अंत में मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डर पैदा मत कीजिए, विश्वास पैदा कीजिए। शक्ति का प्रदर्शन मत कीजिए, न्याय का संरक्षण कीजिए। वर्दी केवल तन पर नहीं, बल्कि अपने चरित्र और आत्मा में धारण कीजिए।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस दिन कोई नागरिक यह कहे कि पुलिस है, इसलिए मैं सुरक्षित हूं, उसी दिन एक पुलिस अधिकारी की वर्दी सार्थक होगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी नव-नियुक्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें साहस, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

संपादकीय

सपना दूर जाने की आशंका

एआई के कारण नौजवानों के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है। मगर उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से वित्त, प्रबंधन, कंप्यूटर साइंस, गणित, इंजीनियरिंग, विधि और कार्यालय प्रशासन के क्षेत्रों में मौजूद रोजगार पर सबसे अधिक खतरा है। इन क्षेत्रों में एआई के जरिए सबसे पहले उन कार्यों को करना शुरू किया गया है, जिसे सबसे जूनियर कर्मचारी करते हैं। यानी जो नौजवान इन क्षेत्रों में करियर बनाने की उम्मीद लिए बैठे हैं, उनके लिए रास्ता कठिन होता जा रहा है। ये बातें एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कही है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 'श्रम बाजार पर एआई का प्रभाव: नया पैमाना और आरंभिक साक्ष्य' शीर्षक से प्रकाशित किया गया है। हाई टेक क्षेत्र में बहुत से कार्यों को संपन्न कर देने की क्षमता के कारण एंथ्रोपिक का एआई मॉडल- क्लाउड- हाल में चर्चा में रहा है। हालांकि एंथ्रोपिक का कहना है कि फिलहाल उसका मॉडल पेशेवरकर्मियों के कार्यों का सिर्फ 33 फीसदी हिस्सा ही संपन्न करने में सक्षम हुआ है। इसके बावजूद इसके उपयोग से अनेक क्षेत्रों नौकरियां जाने लगी हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और कस्टमर सर्विस के क्षेत्र हुए हैं। आने वाले समय में मॉडल की क्षमता बढ़ने के साथ इन क्षेत्रों में मानव श्रम के लिए रोजगार के अवसर बेहद सिमट जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक एआई मॉडल्स से कंस्ट्रक्शन, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, पर्सनल केयर आदि क्षेत्रों में रोजगार पर न्यूनतम असर पड़ेगा। मगर भारत जैसे देश के लिए भी ये सीमित राहत की ही बात है। इसलिए कि जिन क्षेत्रों को एआई मॉडल्स प्रभावित करने जा रहे हैं, उनमें बने रोजगार के अवसर ही गुजरे तीन दशकों में भारत में मध्य वर्ग के प्रसार का जरिया रहे हैं। रिपोर्ट में कहा है कि 22 से 25 वर्ष उम्र के जो छात्र अभी पढ़ कर निकले हैं, उनके लिए इन क्षेत्रों में अवसर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। यानी नौजवान आबादी के लिए मध्यवर्गीय जिंदगी का सपना लगातार दूर होते जाने की आशंका है। भारत के नीतिकारों को इसका आभास है, इसका संकेत पिछले साल नीति आयोग की एक रिपोर्ट से मिला था। मगर, उनके पास इसका ठोस एवं सार्थक समाधान भी है, ऐसा कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

साख बिगाड़ने और दबाव बनाने का हिस्सा मात्र

हरिशंकर व्यास

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एनसीईआईआरटी लाइन पर है और सरकार भी। सब सफाई दे रहे हैं और माफी मांग रहे हैं। एनसीईआरटी ने कोर्ट में माफी मांगी और किताबें वापस लेने का भरोसा दिया पर अदालत इतने पर संतुष्ट नहीं है। चीफ जस्टिस ने किताब पर रोक लगा दी है। लेकिन क्या यह सचमुच न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मुद्दा है या इसके पीछे कोई और कहानी है? असल में एनसीईआरटी की आठवीं की किताब में 'करप्शन इन ज्यूडिशियरी' का जो अध्याय शामिल किया गया था वह न्यायपालिका में किसी भी स्तर पर मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में छात्रों को बताने का उपक्रम था ही नहीं। ऐसा लग रहा है कि वह न्यायपालिका की साख पर सवाल खड़ा करने और लोगों के बीच धारणा को प्रभावित करने का प्रयास था। ध्यान रहे एनसीईआरटी की किताबें ऐसे नहीं तैयार हो जाती हैं कि किसी ने रैंडम कुछ लिख दिया और किताब छप गई। उसकी एक लंबी प्रक्रिया है। हर विषय की दो कमेटियां हैं, जो सामग्री तैयार कराने से लेकर उसके छपने तक की प्रक्रिया पर नजर रखती हैं। आठवीं कक्षा के समाज विज्ञान की किताब में यह अध्याय है। यह सिर्फ संयोग है कि समाज विज्ञान की किताब तैयार करने वाले कैरिकुलर एरिया ग्रुप के प्रमुख आईआईटी गांधीनगर के गेस्ट प्रोफेसर मिशेल डेनिनो हैं। यह कमेटी सामाजिक विज्ञान की किताबों की सामग्री के चयन, लेखन आदि पर ध्यान रखती है। इसके बाद नेशनल सिलेबस एंड टीचिंग लर्निंग मैटेरियल्स कमेटी होती है। यह एक उच्चस्तरीय कमेटी है, जिसने किताब को अंतिम रूप दिया है। इस कमेटी के अध्यक्ष नेशनल स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के चांसलर एमसी पंत हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मंजुल भार्गव इसके सह अध्यक्ष हैं। इनके अलावा इंफोसिस की सुधा मूर्ति और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीय सान्याल सहित 19 सदस्य हैं। सोचें, अगर इन सब लोगों ने सही में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया है तो इसका मतलब होगा कि सबकी नजरों से किताब की सामग्री गुजरी और किसी को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं दिखा। तभी सवाल है कि फिर सरकार ने कोर्ट में इसका बचाव क्यों नहीं किया? अगर इतने लोगों ने मिल कर किताब तैयार करने में भूमिका निभाई है तो या तो सब पर कार्रवाई हो या फिर सरकार कोर्ट में किताब का बचाव करे। एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि प्रोफेसर मिशेल डेनिन की अध्यक्षता वाली कमेटी ने ही इतिहास की किताबों से मुगल साम्राज्य की कहानियों में कटौती की थी और उसे घटा कर बहुत छोटा कर दिया था। तभी सवाल है कि जो कमेटी देश में चल रहे सामाजिक और राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से किताबों की सामग्री तैयार कर रही है क्या उसने अनायास न्यायपालिका में कथित भ्रष्टाचार के मामले में आठवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने का फैसला कर लिया था? किसी को इस पर यकीन नहीं हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम पर सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बना है उसे बारीकी से देखें तो लग रहा है कि जिस मकसद से यह अध्याय किताब में शामिल किया गया था वह मकसद पूरा हो गया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की चर्चा शुरू हो गई और सर्वोच्च अदालत द्वारा इस चर्चा को रोके जाने को लेकर भी बहस छिड़ गई है। एक बड़ा समूह है, जो कह रहा है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है और उसकी जांच होनी चाहिए, उस पर चर्चा होनी चाहिए। वही समूह यह भी कह रहा है कि न्यायपालिका अपने मामले में तुरंत मर्माहत हो जाती है और नहीं चाहती है कि उसकी बातें लोगों के सामने आए। सुप्रीम कोर्ट के बड़े वकील और जनहित याचिकाओं के माध्यम से लोगों की आवाज उठाने वाले प्रशांत भूषण ने भी सुप्रीम कोर्ट और कुछ वरिष्ठ वकीलों की टिप्पणियों पर आपत्ति की है।

मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

ललित गर्ग

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन-दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व-राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढ़कर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान-इजरायल एवं यूक्रे-रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके।

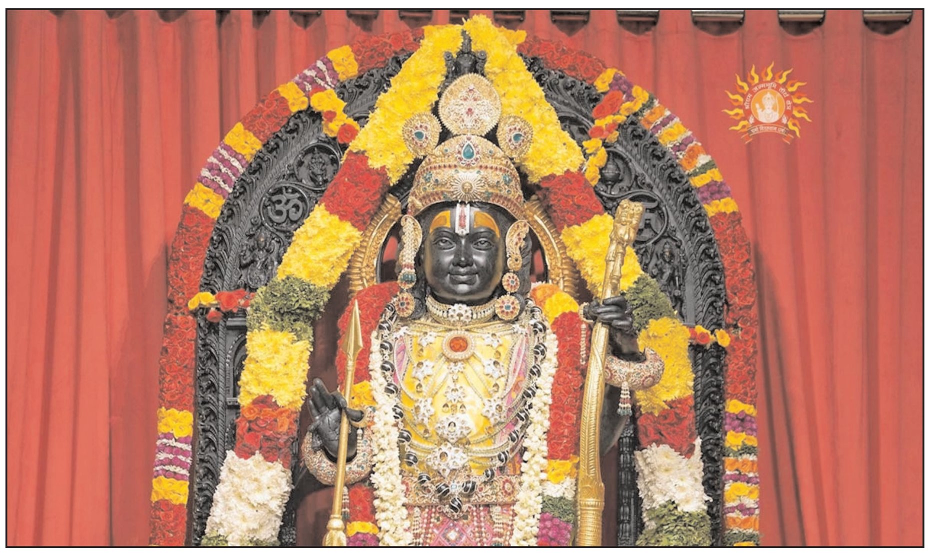

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है-राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वत: समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, मध्य-पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध-इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है-पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है।

श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज रामराज्य के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुन:स्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान-ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है।

श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वत: शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है-शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है।

रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम का जन्म होगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

धर्मांतरण पर सुप्रीम कोर्ट का स्वागतयोग्य फैसला

देश के कई राज्यों में धर्मांतरण किया जाता है और कराया भी जाता है।कोई अपनी स्वेच्छा से धर्मांतरण करता है तो इसका कोई विरोध नहीं करता है। इस देश में लोगों का अपना धर्म चुनने की आजादी है। वह अपना धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म ग्रहण करते हैं। विरोध तो तब होता है जब किसी तरह का लोभ लालच देकर या किसी तरह का दबाब में आकर कोई धर्मांतरण करता है या बहुत से लोगों को कोई धर्मांतरण कराता है।इस तरह के धर्मांतरण से किसी गांव, किसी क्षेत्र में सामाजिक अशांति फैलती है, सामाजिक ताना बाना प्रभावित होता है। हिंसा की घटनाएं होती है। धर्मांतरण का विरोध तब भी होता है जब कोई व्यक्ति अपना धर्म बदल लेता है और जिस जाति का वह अब नहीं है, उस जाति को मिलने वाले लाभ भी लेता है और लेते रहना चाहता है तो यहा विवाद यह होता है कि जब उस व्यक्ति ने धर्मांतरण कर लिया है यानी धर्म बदल लिया है तो वह एससी,एसटी में उसे मिलने वाला लाभ अब कैसे ले सकता है क्योंकि वह अब एससी,एसीटी तो नही रहा।

कई आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सरकार से मांग की जाती रही है कि एससी,एसटी वर्ग का कोई व्यक्ति यदि धर्म बदल लेता है, वह हिंदू से ईसाई हो जाता है तो उसे अब तक जो एससी,एसटी का होने के कारण लाभ मिलता रहा है, वह लाभ उसे नहीं मिलना चाहिए।बस्तर में ऐसे व्यक्ति का शव के दफ्नाने को लेकर विवाद होता रहा है जिसने अपना धर्म बदल लिया है लेकिन उसके शव को गांव में दफ्नाया गया है। गांव वालों का कहना रहा है कि वह हमारे धर्म का नहीं है, हमारे रीतिरिवाज नहीं मानता है तो उसके शव को गांव में दफ्नाया नहीं जा सकता। इसके कारण कई गांवों में तनाव की स्थिति पैदा हुई है। यानी लोगों को साफ मानना है कि गांव को कोई व्यक्ति यदि दूसरे धर्म का अपनाता है तो उसे एससी,एसटी का होने पर जो सुविधा मिलती थी, जो लाभ मिलता था अब गांव में नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे एक मामले में अब साफ कर दिया है कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति जब दूसरा धर्म अपना लेता है तो वह एससी,एसटी का दर्जा खो देता है यानी वह एससी,एसटी नही रह जाता है। सुप्रीम कोर्ट के पास आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से एक मामला आया था जिसमें यह फैसला दिया गया था कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है,ईसाई धर्म के अनुसार जीता है तो उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि हिंदू धर्म,सिख धर्म व बौध्द धर्म के अलावा और किसी धर्म को मानने वाले व्यक्ति एससी,एसटी का नहीं माना जा सकता।इसलिए उसे धर्म बदलने के बाद एससी,एसटी का होने पर जो लाभ मिलता अब उसे नहीं मिल सकता।सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संविधानिक आदेश1950 में साफकहा गया है कि खंड तीन में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद एससी,एसटी का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश ऐसे मामले में दिया है जिसमें अजा के व्यक्ति ने ईसाई धर्म अपना लिया है और पास्टर का काम कर रहा है,उसके साथ मारपीट होने पर उसने कुछ लोगों के खिलाफ एससी,एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था और संरक्षण की मांग की थी।उसने जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था,उन लोगों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी और दावा कि पीड़ित व्यक्ति तो ईसाई धर्म अपना चुका है।इस पर हाईकोर्ट ने एससी,एसटी एक्ट हटाने का आदेश दिया था।

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत

अजीत द्विवेदी

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत हो गया है। इसमें कोई हैरानी या दुख की बात नहीं है। हर नेता का युग आता है और समाप्त होता है। बिहार में ही जैसे लालू प्रसाद का युग खत्म हुआ वैसे ही नीतीश का भी खत्म हुआ। फर्क इतना है कि लालू प्रसाद चुनाव हार कर विदा हुए। बिहार की जनता ने उनको हराया और उनके युग का अंत किया तो दूसरी ओर नीतीश कुमार को बिहार की जनता ने भारी बहुमत से जिताया फिर भी उनकी विदाई हुई और दुर्भाग्य यह है कि नीतीश जैसे बड़े नेता की विदाई उनकी अपनी शर्तों पर नहीं हुई। नीतीश कुमार इससे बेहतर विदाई के हकदार थे। उनका जितना बड़ा राजनीतिक कद रहा और उन्होंने जिस किस्म की राजनीति की उसमें ज्यादा सम्मान के साथ और अपनी शर्तों पर उनकी विदाई होनी चाहिए थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के दौर में उनका कोई भी सहयोगी नेता सम्मान के साथ विदा होने या अलग होने की नहीं सोच सकता है। बादल परिवार से लेकर चौटाला परिवार और भजनलाल परिवार से लेकर ठाकरे परिवार और नीतीश कुमार तक इसकी मिसाल हैं।

नीतीश की विदाई को लेकर बार बार इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे राज्यसभा की सीट से मुख्यमंत्री की कुर्सी का मोलभाव हुआ है। यह कितनी बेहूदा बात है! नीतीश कुमार जब चाहते तब राज्यसभा जा सकते थे। इस बार भी अपने विधायकों के दम पर उनको राज्यसभा की दो सीटें मिलेंगी। इसलिए वे किसी की कृपा से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। दूसरी बात यह है कि उन्होंने पिछले 25 साल में अनगिनत लोगों को राज्यसभा भेजा है। ऐसे लोगों को, जो कभी सोच भी नहीं सकते थे उनको नीतीश ने उच्च सदन में पहुंचाया। इसलिए मुख्यमंत्री पद से उनकी विदाई को राज्यसभा से जोड़ना मूर्खतापूर्ण काम है। इसी तरह इस तर्क का भी कोई अर्थ नहीं है कि भाजपा विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है

इसलिए उसका मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यह बात पिछली विधानसभा में क्यों नहीं कही गई? पिछली विधानसभा में तो नीतीश कुमार के पास 43 और भाजपा के पास 74 विधायक थे।

तीसरी बात उनकी सेहत की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी सेहत खराब है। वे मानसिक रूप से इस स्थिति में नहीं हैं कि राजनीति और शासन जैसे जटिल काम कर सकें। यह उनकी विदाई का आधार तो बनता है लेकिन ऐसी स्थिति में भी विदाई उनकी शर्तों पर होती। यानी सरकार की कमान उनकी पार्टी के हाथों में होती। अगर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा और जीता गया है तो मुख्यमंत्री तय करने का काम उनको करना चाहिए था। वह काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। इसी से पता चल रहा है कि इस पूरे प्रकरण में नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जो पोस्ट लिखी है उसमें उनकी दयनीयता और झलक रही है। उन्होंने लिखा है कि वे चारों सदनों का सदस्य रहना चाहते थे इसलिए राज्यसभा जा रहे हैं। सोचें, बिहार में उपेंद्र कुशवाहा और नागमणि जैसे नेता चारों सदनों के सदस्य रहे हैं। क्या यह नीतीश कुमार जैसे नेता के कद के अनुरूप है कि वे ऐसी लचर दलील के साथ विदा हों?

असल में उनकी विदाई की पटकथा 14 नवंबर 2025 को आए नतीजों ने लिख दी थी। बिहार विधानसभा का आंकड़ा ऐसा बना, जिसने नीतीश की स्थिति को कमजोर कर दिया। इसकी शुरुआत सीटों के बंटवारे के समय हो गई थी। पहले जनता दल यू हमेशा बड़े भाई की तरह चुनाव लड़ती थी। विधानसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या ज्यादा होती थी। इस बार जदयू को भाजपा की बराबरी पर लाया गया। उसके बाद तीन सहयोगी पार्टियों को 43 सीटें दी गईं। उसी समय यह स्पष्ट हो गया कि सहयोगियों के साथ भाजपा 143 और जदयू एक सौ सीटों पर लड़ रही है।

चुनाव नतीजों में भाजपा और तीन सहयोगी पार्टियों को मिल कर 117 सीटें आ गईं यानी बहुमत से सिर्फ पांच कम। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी पार्टी राजद की सीटें बहुत कम हो गईं। राजद को सिर्फ 25 और समूचे विपक्षी गठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उसी समय नीतीश कुमार की विदाई तय हो गई थी, सिर्फ समय का इंतजार हो रहा था। असल में 2020 में नीतीश कुमार सिर्फ 43 सीटें जीत कर जितने मजबूत थे, 2025 में 85 सीटें जीत कर उतने ही कमजोर हो गए। 2020 में राजद 75 सीट वाली पार्टी थी और कांग्रेस व लेफ्ट की 32 सीटें थीं। सो, भाजपा की कभी नीतीश को आंख दिखाने की हिम्मत नहीं हुई। नीतीश ने अपनी मर्जी से भाजपा का साथ छोड़ कर राजद के साथ सरकार बनाई और फिर भाजपा के साथ भी मुख्यमंत्री बन कर लौटे। इस विधानसभा में वैसी स्थिति नहीं है। एक तो भाजपा इतिहास में पहली बार चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी और दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन पूरी तरह से समाप्त हो गया। इसके बावजूद अगर नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति अच्छी होती तो वे अपने हिसाब से बिहार की राजनीति को संचालित कर सकते थे। क्योंकि उनके पास लोकसभा में 12 सांसद हैं, जिनकी नरेंद्र मोदी सरकार को जरुरत है। लेकिन नीतीश कुमार इसके दम पर भी मोलभाव नहीं कर पाए क्योंकि उनका अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उन्होंने इस काम के लिए अपनी पार्टी के जिन लोगों पर भरोसा किया वो उनकी कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की जिम्मेदारी थी कि वे नीतीश कुमार और जनता दल यू के हितों की रक्षा करें। इस काम में दोनों बुरी तरह से विफल हुए हैं।

यह सही है कि नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है और वे राजनीति व सरकार की जटिल कार्यप्रणाली को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन अगर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता ईमानदार होते तो नीतीश कुमार की विदाई के बाद भी जनता दल यू का ही मुख्यमंत्री बनता। अभी वैसा होता नहीं दिख रहा है। ध्यान रहे जनता दल यू ने पिछला चुनाव '2025 से 30 फिर से नीतीश' के नारे पर लड़ा था। इसलिए अगर सेहत के आधार पर नीतीश हटते हैं तो उनकी पसंद से उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता मुख्यमंत्री बनता तो इसे स्वाभाविक माना जाता। तभी सत्ता का हस्तांतरण स्वाभाविक नहीं है। इसलिए भाजपा को बहुत सोच समझ कर आगे बढ़ना होगा। उसे राजनीतिक और सामाजिक दोनों संतुलन बनाने पर ध्यान देना होगा। बहरहाल, आने वाले दिनों में लंबे समय तक नीतीश कुमार के राजनीतिक योगदान की चर्चा होगी और बिहार के विकास या बदलाव में बतौर मुख्यमंत्री उनकी जो भूमिका रही उसकी भी चर्चा होगी। परंतु साथ ही यह बात भी इतिहास में दर्ज होगी कि इतने बड़े नेता के साथ अंत में कैसा बरताव हुआ। इतिहास इस बात को भी याद रखेगा कि जीवन भर परिवारवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार से दूर रहे एक नेता को उसकी सहयोगी पार्टी ने कैसे विदा किया। अब बिहार की राजनीति बुनियादी रूप से बदलेगी। विचारधारा के स्तर पर भी टकराव बढ़ेगा और सामाजिक स्तर भी संघर्ष की स्थितियां बनेंगी। यह सबक भी याद रखा जाएगा कि सहयोगी व सलाहकार कैसे चुना जाना चाहिए। ध्यान रहे बिहार का इतिहास विश्वासघात और भक्ति दोनों का नहीं रहा है। बिहार का इतिहास प्रतिरोध का रहा है।

भगवान राम के बारे में 10 बातें और श्री रामनवमी के शुभ मुहूर्त

संसार के पालनहार भगवान श्री विष्णु जी ने धर्म की स्थापना और अधर्म के समूल नाश के लिए त्रेतायुग में धरती पर मनुष्य रूप में अवतार लिया था। भगवान विष्णु के अनेक अवतारों में से एक अवतार त्रेता युग में सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या नगरी में सूर्यवंश कुल के राजा दशरथ की महारानी कौशल्या के गर्भ से चैत्र मास की नवमी तिथि अभिजीत मुहूर्त में राम जी ने जन्म लिया था। तब से लेकर आज तक युगों-युगों से चैत्र मास की नवमी तिथि को रामनवमी पर्व मनाया जाता है।

- भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है।
- उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है।
- राम जी स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण है जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं।
- भगवान राम समाज में व्याप्त ऊंच नीच के भेदभाव को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का उदाहरण इसे समझने के लिये सर्वोत्तम है।
- राम जी वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले हैं।
- भगवान श्री राम विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले परम पराक्रमी है।
- रामनवमी के दिन धूमधाम के साथ राम जन्मोत्सव मनाते हुए श्रीरामचरित मानस ग्रंथ का पाठ करना चाहिए।
- श्रीराम लला को मावा एवं पंजरी का भोग अति प्रिय है।
- श्रीरामनवमी के दिन उपवास रखने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और ज्ञात-अज्ञात सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है।

राम जन्म की रोचक घटनाएं

भगवान प्रभु श्रीराम का जन्म वाल्मीकि कृत रामायण के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को हुआ था। आओ जानते हैं जन्म की रोचक घटनाएं।

- **राजा दशरथ ने किया था पुत्रेष्टि यज्ञ :**
  रामचरितमानस के बालकांड के अनुसार राजा दशरथ ने पुत्र की कामना से पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। वशिष्ठजी ने श्रृंगी ऋषि को बुलवाया और उनसे शुभ पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। इस यज्ञ के बाद कौसल्या आदि प्रिय रानियों को पुत्र प्राप्त हुए।
- **शुभ योग में हुआ जन्म :**
  योग, लग्न, ग्रह, वार और तिथि सभी अनुकूल हो गए तब श्रीराम का जन्म हुआ। पवित्र चैत्र का महीना था, नवमी तिथि थी। शुक्ल पक्ष और भगवान का प्रिय अभिजित मुहूर्त था। दोपहर का समय था। न बहुत सर्दी थी, न धूप (गरमी) थी।
- **चारों और मौसम खुशनुमा हो गया :**
  वह पवित्र समय सब लोकों को शांति देने वाला था। जन्म होते ही जड़ और चेतन सब हर्ष से भर गए। शीतल, मंद और सुगंधित पवन बह रहा था। देवता हर्षित थे और संतों के मन में (बड़ा) चाव था। वन फूले हुए थे, पर्वतों के समूह मणियों से जगमगा रहे थे और सारी नदियां अमृत की धारा बहा रही थीं।
- **देवता उपस्थित हुए :**
  जन्म लेते ही ब्रह्माजी समेत सारे देवता विमान सजा-सजाकर पहुंचे। निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया। गंधर्वों के दल गुणों का गान करने लगे। सभी देवाता राम लला को देखने पहुंचे।
- **नगर में हुआ हर्ष व्याप्त :**
  राजा दशरथ ने नांदीमुख श्राद्ध करके सब जातकर्म-संस्कार आदि किए और द्वीजों को सोना, गो, वस्त्र और मणियों का दान दिया। संपूर्ण नगर में हर्ष व्याप्त हो गया। ध्वजा, पताका और तोरणों से नगर छा गया। जिस प्रकार से वह सजाया गया। चारों और खुशियां ही खुशियां थीं। घर-घर मंगलमय बधावा बजने लगा। नगर के स्त्री-पुरुषों के झुंड के झुंड जहां-तहां आनंदमग्न हो रहे हैं।

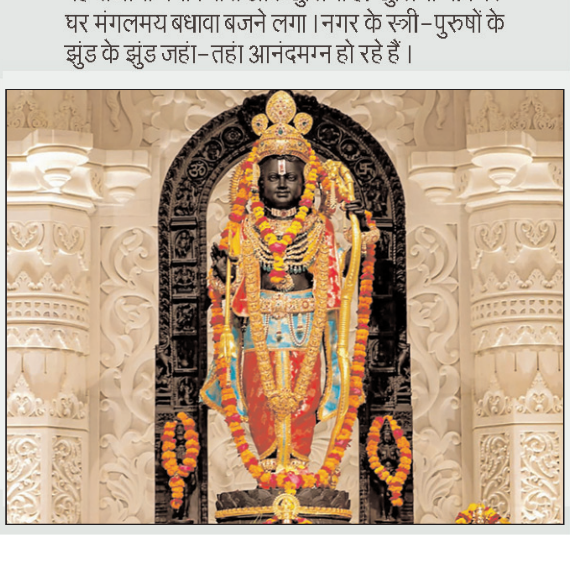

श्रीराम नवमी

नीति, न्याय और नेतृत्व का नाम श्री राम

भारत में राम एक ऐसा नाम है जो अभिवादन या नमस्कार का पर्यायवाची है। हिमालय से कन्याकुमारी तक ही नहीं अपितु सुदूर पूर्व के कई देशों में भी राम और रामायण असाधारण श्रद्धा के केंद्र हैं।

राम प्रतिनिधित्व करतें हैं मानवीय मूल्यों की मर्यादा का। रामकथा के सैकड़ों संस्करण हैं जिनके लेखकों को श्रीराम के ईश्वरत्व पर पूर्ण विश्वास था लेकिन उन सब ने श्रीराम का चित्रण एक मनुष्य के रूप में ही किया। जो समाज की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरता है और अनेक प्रकार के कष्ट सहन करता है। चक्रवर्ती सम्राट के सुपुत्र हैं राम पर गुरुकुल या वनवास की सभी मर्यादाओं का पालन करते हैं। माता व विमाताओं में कोई भेद नहीं.भाइयों से प्रेम की कोई सीमा नहीं। प्रजा की आंखों के तारे हैं और पराक्रम की कोई तुलना नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात कि वे राज्याभिषेक के समाचार से प्रसन्न नहीं होते और वनवास के दु:ख का उन पर लेशमात्र भी प्रभाव नहीं है। 'सम्पतौ च विपत्तौ च महतां एक रूपता' के साक्षात उदाहरण हैं। सारा पराक्रम स्वयं का है लेकिन वे इसका श्रेय अनुज लक्ष्मण को व वानरों और अपनी सेना को देते हैं। कुलीन होने के बाद भी शबरी, निषाद, केवट से अगाध प्रेम है.राम जाति वर्ग से परे हैं.नर हों या वानर, मानव हों या दानव सभी से उनका करीबी रिश्ता है। क्षमाशील इतने हैं कि राक्षसों को भी मुक्ति देने में तत्पर हैं। वे यह सिखाते हैं कि बिना छल-कपट के मानव अपना जीवन यापन ही नहीं कर सकता अपितु ईश्वरत्व को भी प्राप्त कर सकता है। 'नरो नारायणो भवेत' को उन्होंने ऐसा प्रमाणित कर दिया है कि आज उनका नाम ही 'पतित पावन' हो गया है।

राम सिर्फ दो अक्षर का नाम नहीं, राम तो प्रत्येक प्राणी में रमा हुआ है, राम चेतना और सजीवता का प्रमाण है। अगर राम नहीं तो जीवन मरा है। राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम का नाम राम है। असीम ताकत अहंकार को जन्म देती है। लेकिन अपार शक्ति के बावजूद राम संयमित हैं। वे सामाजिक हैं, लोकतांत्रिक हैं.वे मानवीय करुणा जानते हैं। वे मानते हैं- 'पर हित सरिस धरम नहीं भाई.राम देश की एकता के प्रतीक हैं.महात्मा गांधी ने राम के जरिए हिन्दुस्तान के सामने एक मर्यादित तस्वीर रखी. गांधी उस राम राज्य के हिमायती थे, जहां लोकहित सर्वोपरि हो.इसीलिए लोहिया भारत मां से मांगते हैं- 'हे भारत माता हमें शिव का मस्तिष्क दो, कृष्ण का हृदय दो, राम का कर्म और वचन दो'.मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम समसामयिक है। भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसे श्रीराम की महिमा अपरंपार है.

एक राम राजा दशरथ का बेटा,
एक राम घर-घर में बैठा,
एक राम का सकल पसारा,
एक राम सारे जग से न्यारा।

राम का जीवन आम आदमी का जीवन है। आम आदमी की मुश्किल उनकी मुश्किल है.ज़ब राम अयोध्या से चले तो साथ में सीता और लक्ष्मण थे। जब लौटे तो पूरी सेना के साथ। एक साम्राज्य को नष्ट कर और एक साम्राज्य का निर्माण करके.राम अगम हैं संसार के कण-कण में विराजते हैं। सगुण भी हैं निर्गुण भी।तभी कबीर कहते हैं - निर्गुण राम जपहु रे भाई आदिकवि ने उनके संबंध में लिखा है कि वे गाम्भीर्य में उदधि (सागर) के समान और धैर्य में हिमालय के समान हैं.राम के चरित्र में पग-पग पर मर्यादा, त्याग, प्रेम और लोकव्यवहार के दर्शन होते हैं।उनका पवित्र चरित्र लोकतंत्र का प्रहरी, उत्प्रेरक और निर्माता भी है.

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव.राम परम शक्ति हैं। इसीलिए तो भगवान राम के आदर्शों का जनमानस पर इतना गहरा प्रभाव है और युगों-युगों तक रहेगा। हमारी अंतिम यात्रा के समय भी इसी 'राम नाम सत्य है' के घोष ने हमारी जीवनयात्रा पूर्ण की होती है और कौन नहीं जानता आखिर बापू ने अंत समय में 'हे राम' किनके लिए पुकारा था।

राम नाम उर मैं गहिओ जा कै सम नहीं कोई।।
जिह सिमरत संकट मिटै दरसु तुम्हारे होई।।

जिनके सुंदर नाम को हरदय में बसा लेने मात्र से सारे काम पूर्ण हो जाते हैं.जिनके समान कोई दूजा नाम नहीं है। जिनके स्मरण मात्र से सारे संकट मिट जाते हैं। ऐसे प्रभु श्रीराम को हम कोटि-कोटि प्रणाम.

होइहै वही जो राम रचि राखा। को करे तरफ बढ़ाए साखा।।

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव। राम परम शक्ति हैं। प्रभु श्रीराम के द्रोहियों को शायद ही यह मालूम है कि वे अपने आसपास नर्क का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए यह चिंता छोड़ दो कि कौन प्रभु श्रीराम का अपमान करता है और कौन सुनता है। कौन जपता है और कौन नहीं जपता है।

राम से भी बड़ा राम का नाम

कहते हैं कि प्रभु श्रीरा राम का नाम राम से भी बड़ा है। राम राम जपने से कई लोगों को मोक्ष प्राप्त हो गया। राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं। राम से पहले भी राम का नाम था। प्राचीन काल में राम ईश्वर के लिए संबोधित होता था।

राम या मार

राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

राम नाम कहने का अर्थ

- एक बार राम कहा तो संबोधन हुआ। राजस्थान में कहते हैं राम सा। आपके सारे दु:ख हरने वाला सिर्फ एकमात्र नाम है- 'हे राम।'
- दो बार राम कहा तो अभिवादन हुआ। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कहते हैं राम राम।
- तीन बार राम कहा तो संवेदना हुई। जैसे 'ये क्या हुआ राम राम राम।'
- चार बार राम कहा तो भजन हुआ।

तारणहार राम का नाम

राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादूदयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। श्रीराम-श्रीराम जपते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं।

जीवन रक्षक नाम

प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग ध्वनि विज्ञान से परिचित हैं वे जानते हैं कि 'राम' शब्द की महिमा अपरम्पार है। जब हम 'राम' कहते हैं तो हवा या रेत पर एक विशेष आकृति का निर्माण होता है। उसी तरह चित्त में भी विशेष लय आने लगती है। जब व्यक्ति लगातार 'राम' जप करता रहता है तो रोम-रोम में प्रभु श्रीराम बस जाते हैं। उसके आसपास सुरक्षा का एक मंडल बनना तय समझो। प्रभु श्रीराम के नाम का असर जबरदस्त होता है।

चौपाई

हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता?
रामचंद्र के चरित सुहाए।
कलप कोटि लगि जाहिं न गाए?

भावार्थ

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रूप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

7 शब्दों का तारक महामंत्र

श्री राम, जय राम जय जय राम

श्री राम जय राम जय जय राम - यह सात शब्दों वाला तारक मंत्र है। साधारण से दिखने वाले इस मंत्र में जो शक्ति छिपी हुई है, वह अनुभव का विषय है। इसे कोई भी, कहीं भी, कभी भी कर सकता है। फल बराबर मिलता है।

हमारा सबसे बड़ा दुर्भाग्य आज यही है कि हम राम नाम का सहारा नहीं ले रहे हैं। हमने जितना भी अधिक राम नाम को खोया है, हमारे जीवन में उतनी ही विषमता बढ़ी है, उतना ही अधिक संत्रास हमें मिला है। एक सार्थक नाम के रुप में हमारे ऋषि-मुनियों ने राम नाम को पहचाना है। उन्होंने इस पूज्य नाम की परख की और नामों के आगे लगाने का चलन प्रारंभ किया। प्रत्येक हिन्दू परिवार में देखा जा सकता है कि बच्चे के जन्म में राम के नाम का सोहर होता है। वैवाहिक आदि सुअवसरों पर राम के गीत गाए जाते हैं। राम नाम को जीवन का महामंत्र माना गया है। राम सर्वमय व सर्वमुक्त हैं। राम सबकी चेतना का सजीव नाम हैं। अस समर्थ रघुनायकहिं, भजत जीव ते धन्य? प्रत्येक राम भक्त के लिए राम उसके हृदय में वास कर सुख सौभाग्य और सांत्वना देने वाले हैं। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिख दिया है कि प्रभु के जितने भी नाम प्रचलित हैं, उन सब में सर्वाधिक श्री फल देने वाला नाम राम का ही है। यह नाम सबसे सरल, सुरक्षित तथा निश्चित रुप से लक्ष्य की प्राप्ति करवाने वाला है। मंत्र जप के लिए आयु, स्थान, परिस्थिति, काल, जात-पात आदि किसी भी बाहरी आडम्बर का बंधन नहीं है। किसी क्षण, किसी भी स्थान पर इसे जप सकते हैं। जब मन सहज रूप में लगे, तब ही मंत्र जप कर लें। तारक मंत्र 'श्री' से प्रारंभ होता है। 'श्री' को सीता अथवा शक्ति का प्रतीक माना गया है। राम शब्द 'रा' अर्थात र-कार और 'म' मकार से मिल कर बना है। 'रा' अग्नि स्वरुप है। यह हमारे दुष्कर्मों का दाह करता है। 'म' जल तत्व का द्योतक है। जल आत्मा की जीवात्मा पर विजय का कारक है। इस प्रकार पूरे तारक मंत्र - 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का सार निकलता है - शक्ति से परमात्मा पर विजय। योग शास्त्र में देखा जाए तो 'रा' वर्ण को सौर ऊर्जा का कारक माना गया है। यह हमारी रीढ़-रज्जू के दाईं ओर स्थित पिंगला नाड़ी में स्थित है। यहां से यह शरीर में पौरुष ऊर्जा का संचार करता है। 'मा' वर्ण को चन्द्र ऊर्जा कारक अर्थात स्त्री लिंग माना गया है। यह रीढ़-रज्जू के बांई ओर स्थित इड़ा नाड़ी में प्रवाहित होता है। इसीलिए कहा गया है कि श्वास और निश्वास में निरंतर र-कार 'रा' और म-कार 'म' का उच्चारण करते रहने से दोनों नाड़ियों में प्रवाहित ऊर्जा में सामंजस्य बना रहता है। अध्यात्म में यह माना गया है कि जब व्यक्ति 'रा' शब्द का उच्चारण करता है तो इसके साथ-साथ उसके आंतरिक पाप बाहर फेंक दिए जाते हैं। इससे अंत:करण निष्पाप हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

वीवर सर्विसेज़ ने सेंट्रम हाउसिंग फाइनेंस में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की

रायपुर। वीवर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड ने सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड से सेंट्रम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (CHFL) में 75.01त्न की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इस तरह कंपनी ने पूरे भारत में होम लोन की सुविधाओं से वंचित सभी परिवारों के लिए अपना घर खरीदना आसान बनाने के संकल्प को और मज़बूत किया है। इस सौदे को सभी जरूरी विनियामक निकायों और शेयरधारकों से मंज़ूरी मिल चुकी है।

अपना खुद का घर होना, आज भी पूरे भारत में परिवारों के लिए सबसे बड़े सपनों में से एक बना हुआ है। हालाँकि ज्यादातर लोगों के लिए, खास तौर पर छोटे शहरों में रहने वालों और अपना रोज़गार करने वालों के लिए औपचारिक तरीके से होम लोन मिलना आज भी काफी मुश्किल है। जरूरी दस्तावेजों की कमी, अनियमित आमदनी और उनकी ज़रूरतों के हिसाब से तैयार किए गए वित्तीय उत्पादों के नहीं होने की वजह से अक्सर उन्हें पारंपरिक संस्थानों से लोन नहीं मिल पाता है। वीवर सर्विसेज़ ने इस अधिग्रहण के जरिए, बेहद सरल, भरोसेमंद और सबको साथ लेकर चलने वाले होम लोन के विकल्पों को सबके लिए सुलभ बनाकर इस कमी को दूर करने का लक्ष्य रखा है। CHFL को पीपुल होम फाइनेंस के साथ जोड़कर कंपनी एक मज़बूत प्लेटफ़ॉर्म तैयार कर रही है, जिसके पास लगभग 140 शाखाओं का एक बड़ा नेटवर्क है और प्रबंधनाधीन संपत्ति (AUM) भी 2,000 करोड़ से ज्यादा है। अपनी मौजूदगी के विस्तार के बाद कंपनी को टियर II और टियर III श्रेणी के बाजारों में और गहराई से पैठ बनाने में मदद मिलेगी, जिससे होम लोन की सुविधाएँ सीधे उन लोगों तक पहुँच सकेंगी जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा ज़रूरत है। मौजूदा प्रगति पर अपनी राय जाहिर करते हुए, वीवर सर्विसेज़ के प्रमोटर एवं एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन, सत्राजित भट्टाचार्य ने कहा, देश में लाखों परिवार ऐसे हैं, जिनके लिए अपना घर होना उनकी ज़िंदगी का सपना होता है। हम चाहते हैं कि हाउसिंग फ़ाइनेंस को सुलभ बनाकर इस सपने को पूरा करने में ऐसे लोगों की मदद की जाए, जिन्हें अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। इस कदम से हमें ऐसे ग्राहकों से जुड़ने और उनके सपनों को हकीकत में बदलने की हमारी क्षमता को और मज़बूती मिलेगी।

चौकी बिन्द्रानवागढ़ गरियाबंद के अंतर्गत जी/65 बटालियन सी.आर.पी.एफ.के द्वारा सिविक एक्शन का आयोजन

गरियाबंद। चौकी बिन्द्रानवागढ़ा अंतर्गत जी/65 बटा. सी.आर.पी.एफ के परिचालनिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गॉव के लिए राधे श्याम सिंह, कमाण्डेंट-65 बटा. सी.आर.पी.एफ.के मार्गदर्शन में उप कमाण्डेंट सुधेन्द्र सिंह एवं सहायक कमाण्डेंट राजीव रतन द्वारा जी/65 बटा. सी.आर.पी.एफ द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम एवं चिकित्सा का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के दौरान ग्राम बिन्द्रानवागढ, खमारीपारा, बोईरबेहरा, तिमनपुर, आदि के ग्रामीणों का स्वास्थ्य चेकअप,दवाई वितरण एवं सिलाई मशीन,साड़ी,मच्छरदानी, स्कूली बच्चों के लिए पढ़ाई की सामग्री जैसे स्कूल बैग,ड्राईंग बॉक्स,चप्पले इत्यादि वितरित की गई। उप कमाण्डेंट सुधेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की सहायता करना,गांव के विकास में योगदान देना और युवाओं को शिक्षा के माध्यम से विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है तथा सकारात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देकर क्षेत्र में नक्सलवाद के प्रभाव को कम करना हमारा उद्देश्य है।जी/65 बटा. सी.आर.पी.एफ के सुधेन्द्र सिंह (उप कमान्डेंट) राजीव रतन (सहा.) निरीक्षक/जीडी डी.पी. चतुर्वेदी,निरीक्षक/जीडी दलजीत सिंह,उप निरीक्षक भुवनेश्वरी नरेटी चौकी प्रभारी बिन्द्रानवागढ़, शश्या ठाकुर (सरपंच), कम्पनी,चौकी के जवान एवं समस्त ग्रामवासी आदि उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण को वैध बनाने राजस्व अभिलेखों से छेड़छाड़, कांग्रेस का नगर एवं ग्राम निवेश कार्यालय घेराव

राजनांदगांव। अवैध कालोनाइजरों एवं व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स संचालकों को लाभ पहुंचाने के लिए राजस्व अभिलेखों में कथित छेड़छाड़ कर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किए जाने के विरोध में जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के नेतृत्व में नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय का घेराव किया।

जितेंद्र मुदलियार ने आरोप लगाया कि अधिकारियों द्वारा सुनियोजित षड्यंत्र के तहत पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। नंदई चौक से रानीतराई तक नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा 30 मीटर चौड़ाई की सड़क को 45 मीटर दर्शाया जा रहा है, जिससे इस क्षेत्र में व्यापारियों, निवासरत परिवारों को दिक्कत आएगी। भविष्य में कई वैध निर्माण भी अतिक्रमण की श्रेणी में आ जाएंगे। आगे चलकर जब रोड 45 मीटर की कर दी जाएगी, तब आमलोगों को मुआवजा नहीं

मिल पायेगा। गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के आशियाने और आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि कि यह पूरा प्रकरण आमजन की जीवनभर की जमा पूंजी और निवेश को जोखिम में डालने वाला है। एक मध्यमवर्गीय या गरीब परिवार कठिन परिश्रम से जमीन का छोटा टुकड़ा खरीदता है, लेकिन इस प्रकार की अनियमितताओं से उनकी संपत्ति पर संकट उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने बताया कि नंदई से रानीतराई तक कई परिवार इस स्थिति से प्रभावित हो सकते हैं।

मुदलियार ने यह भी आरोप लगाया कि नगर में कई अवैध कॉलोनियों एवं व्यावसायिक परियोजनाओं को वैध ठहराने के लिए इसी प्रकार दस्तावेजी कूटरचना की गई है। नगर तथा ग्राम निवेश, राजस्व विभाग एवं नगर निगम की कथित मिलीभगत से अवैध परियोजनाओं को संरक्षण दिया जा रहा है, जिसके कारण आम नागरिकों का शोषण हो रहा है।

कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर आर्थिक एवं प्रशासनिक अपराध बताते हुए इसमें शामिल अधिकारियों एवं संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

इस घेराव प्रदर्शन के दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रुपेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष रमेश राठौर, पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा, पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, सचिव प्रदेश कांग्रेस प्रवीण मेश्राम, दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लक्ष्मण साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इकरामुद्दीन सोलंकी, राकेश जोशी, मामराज अग्रवाल, रूबी गरचा, अशोक फड़णवीस, अशोक पंजवानी, नरेश शर्मा, सूर्यकांत जैन, जयनारायण सिंह, महेंद्र बहादुर, मनीष गौतम, विनय झा, राजिक सोलंकी, देवेश वैष्णव, सूरज शर्मा, महेश यादव, ललित मरकाम, पिंकू खान, शरद खंडेलवाल, अवधेश प्रजापति, रुपेश साहू, शैलेश ठावरे, ललित कुमरे, आशीष साहू, विशु आजमानी, सुरेन्द्र देवांगन, आफ्ताब अहमद, जय जायसवाल, मुस्तुफा जोया, चैतराम साहू सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए अब्दुल कलाम खान बनाए गए इलेक्शन कमेटी के संयोजक

राजनांदगांव। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए इलेक्शन कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया गया है। इस महत्वपूर्ण समिति में अब्दुल कलाम खान को संयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति इमरान प्रतापगढ़ी (सांसद-राज्यसभा एवं चेयरमैन-अल्पसंख्यक विभाग) के नेतृत्व में की गई है, जिसका उद्देश्य चुनावी रणनीति को मजबूत करना एवं संगठनात्मक समन्वय को सुदृढ़ बनाना है।

अपनी नियुक्ति पर श्री अब्दुल कलाम खान ने कहा कि, मेरे लिए यह गर्व और बड़ी जिम्मेदारी है कि, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने मुझे पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए इलेक्शन कमेटी का कन्वेनर नियुक्त किया है। मैं कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन सांसद राज्यसभा जनाब इमरान प्रतापगढ़ी जी का दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। यह जिम्मेदारी व्यक्तिगत नहीं, बल्कि कांग्रेस की समावेशी विचारधारा, संविधान के मूल्यों और संगठन को मजबूत करने की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मैं कमेटी की पूरी टीम डॉ. जमाल हुसैन (इंचार्ज), परवेज अख्तर (को-इंचार्ज), मंजूर अंसारी, मोहम्मद शमीम खान, वासी अहमद, रंजीत सिंह बेदी, डॉ. मोहम्मद मारूफ हुसैन एवं आरिफ भाटी के साथ मिलकर पूरी निष्ठा एवं टीम भावना से कार्य करने का संकल्प लेता हूँ, ताकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का संगठन और अधिक मजबूत हो तथा चुनावी प्रदर्शन बेहतर हो सके।

स्थानीय स्तर पर राजनांदगांव सहित प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि, अब्दुल कलाम खान के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि नवगठित टीम अपने अनुभव, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से पार्टी को सशक्त बनाएगी और आगामी चुनाव में सकारात्मक परिणाम लाएगी। अंत में, इमरान प्रतापगढ़ी ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की है।

महिला उद्यमियों को बाजार से जोड़ने की पहल

एमडीए कार्यशाला में मिला व्यवसाय विस्तार का मार्गदर्शन

मुंगेली(समय दर्शन)जिले के महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण एवं उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पथरिया जनपद पंचायत सभाकक्ष में आज मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह सदस्यों एवं महिला संचालित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बाजार विकास से जोड़ना और उनके व्यवसाय को नई दिशा देना रहा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पथरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस जैसी योजनाएं महिला उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में प्रभावी सहयोग प्रदान करती हैं।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन का महत्व, मार्केट लिंकज के अवसर, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार तथा शासकीय अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया शामिल रही। विशेषज्ञों ने सफल महिला उद्यमियों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रतिभागियों को व्यवहारिक सुझाव दिए, जिससे वे अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धी बाजार में स्थापित कर सकें। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें आगे की कार्ययोजना बनाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड के लगभग 40 महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे बाजारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा जताई।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने लगभग 5 लाख भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को 500 करोड़ रुपये की दी सौगात

जिले के कुल 21135 हितग्राहियों को मिले लगभग 21 करोड़ 13 लाख रूपए की राशि

मुख्यमंत्री ने ग्राम पेंड्री के किसान श्री राजेंद्र श्रीवास से किया संवाद

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन / मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत आज जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रदेश के लगभग 5 लाख भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को 500 करोड़ रुपये की सौगात दी है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को आर्थिक रूप से संबल बनाने के लिए शुरू की गई एक प्रमुख योजना है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के भूमिहीन कृषि श्रमिकों को सशक्त बनाना है। योजना के तहत जिले 21135 हितग्राहियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से कुल 211.35 लाख रूपए अंतरित किए गए।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत आज जिला मुख्यालय के ऑडिटोरियम भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, नगर पालिका जांजगीर-नैला के अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढेवाल, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, श्री विवेका गोपाल, श्री आशुतोष गोस्वामी सहित गणमान्य नागरिक, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में भूमिहीन कृषक उपस्थित थे। उपस्थित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारियों एवं हितग्राहियों ने वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का संबोधन सुना।

कार्यक्रम में पूर्व नेताप्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा से भूमिहीन कृषि मजदूर भाइयों के खातें में योजना के तहत आर्थिक सहायता राशि अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और यहां की अर्थव्यवस्था फसलों पर आधारित है। ऐसे में भूमिहीन कृषि मजदूर, जो खेती में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और अन्न उत्पादन में सहयोग करते हैं, उनके लिए यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सहायता राशि भूमिहीन किसानों के लिए एक बड़ा सहारा साबित होगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब गांव का मजदूर सशक्त होगा, तभी गांव मजबूत होगा और प्रदेश व देश का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मज़दूर कल्याण योजना : मुख्यमंत्री साय ने हितग्राहियों को दी करोड़ों की सौगात

जिले के 20 हजार 500 से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों के खाते में डीबीटी के माध्यम से 10-10 हजार रुपये की राशि अंतरित

राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धः विधायक मोहले

मुंगेली(समय दर्शन)मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के हितग्राहियों को बड़ी आर्थिक सौगात प्रदान की। बलौदाबाजार-भाटापारा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने डीबीटी के जरिए भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि अंतरित की। इस योजना के तहत मुंगेली जिले के 20 हजार 500 से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों की आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि संकल्प बजट 2026-27 में 600 करोड़ रुपये का प्रावधान कर इस योजना को और मजबूती दी गई है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को स्थिरता, सम्मान और आत्मविश्वास मिलेगा।

इस अवसर पर जिला कलेक्टोरेट के जनदर्शन कक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माता और छत्तीसगढ़ महतारी

की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और यह योजना गरीब मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कांत पांडेय ने कहा कि सरकार किसान से लेकर आमजन तक सभी की चिंता कर रही है और बच्चों की शिक्षा व संस्कार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि योजना के तहत प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि मिलने से भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक संबल मिल रहा है। उन्होंने अपील की कि जो पात्र हितग्राही अब तक पंजीयन से वंचित हैं, वे शीघ्र पंजीयन कराकर योजना का लाभ लें। अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने बताया कि जिले की सभी तहसीलों में कार्यक्रम आयोजित कर हितग्राहियों को योजना से जोड़ा जा रहा है तथा पंजीयन प्रक्रिया भी सतत जारी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, एसडीएम अजय शतरंज सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हितग्राहियों को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित, हितग्राहियों साझा किए अनुभव- कार्यक्रम के दौरान 17 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए योजना के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्राम मजगांव के तुलसीराम बंदे ने बताया कि प्राप्त राशि का उपयोग वे बच्चों की पढ़ाई एवं घरेलू आवश्यकताओं में करेंगे। ग्राम बलौदी के पवन तिवारी ने इसे परिवार के लिए संबल बताया, वहीं पलानसरी के विजय जांगड़े ने कहा कि इससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। इसी तरह ग्राम करुपान के सुरेश कुमार साहू, ग्राम कोना के राम खांडे एवं महेंद्र कुमार साहू, ग्राम पीथमपुर के श्री प्रकाश कुमार तथा ग्राम केशलीकला के रामलोचन जांगड़े सहित अन्य हितग्राहियों ने योजना को अत्यंत उपयोगी बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

खबर-खास

ग्रामीणों से किया सीधा संवाद मंत्री केदार कश्यप ने कहा नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के हर कोने में जारी रहेगा विकास

जगदलपुर/नारायणपुर। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर ब्लाक में वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। मंत्री ने क्षेत्र के दौरे दौरान मुरकुची और पखना कोंगेरा में आयोजित भव्य कार्यक्रमों में शिरकत की, जहाँ उन्होंने विधायक निधि से स्वीकृत कुल 56 लाख रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर ग्रामीणों को बड़ी सौगात दी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 10 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर आवागमन और सामुदायिक सुविधाओं में व्यापक सुधार सुनिश्चित होगा। भूमिपूजन समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री ने अपने उद्बोधन में विकास की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि बस्तर का समग्र विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर उतारना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की राह में आने वाली हर बाधा को दूर करना उनका लक्ष्य है। मंत्री कश्यप ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलियाओं का निर्माण केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली जीवनरेखा है। उन्होंने पूर्ववर्ती कठिनाइयों का स्मरण कराते हुए कहा कि बरसात के दिनों में छोटे-छोटे नालों के उफान पर होने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों और मरीजों को जो परेशानियां झेलनी पड़ती थीं, अब ये नई पुलियाएं उन समस्याओं का स्थायी समाधान बनेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चल रही जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही सुशासन की असली पहचान है। उन्होंने मीटर की पुलियाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि ये निर्माण कार्य स्थानीय परिवहन को सुगम बनाएंगे और कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में किसानों की मदद करेंगे। साथ ही तारागांव में सामुदायिक भवन के निर्माण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए गांवों में सुरक्षित और पक्के भवनों का होना अनिवार्य है, ताकि ग्रामीण समाज एकजुट होकर अपनी परंपराओं का निर्वहन कर सके। उद्बोधन के अंत में कश्यप ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए अपील की कि वे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर स्वयं भी नजर रखें, क्योंकि यह संपत्ति उनकी अपनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नारायणपुर विधानसभा के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी रहेगा और धन की कमी को कभी विकास में बाधक नहीं बनने दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भारी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने मंत्री का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र में आ रही इस विकास की लहर के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था द्वारा आयोजित शहीद दिवस पर सभी समाज ने दी श्रद्धांजलि

पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने देश की एकता, अखंडता को सुदृढ़ बनाने किया आव्हान

कवर्धा (समय दर्शन)। शहीद दिवस पर रात्रि 7.30 बजे 23 मार्च को स्थानीय शहीद पार्क सिग्नल चौक कवर्धा में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था कबीरधाम जिला द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कवर्धा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि आज के दिन देश के वीर सपूत भगत सिंह, शिवराम राजगुरु, सुखदेव थापर को लाहौर में फांसी दी गई थी। आज हम सब स्वतंत्र है। देश आज़ाद है, लेकिन देश को आजादी दिलाने वाले वीर सपूतों ने अपनी त्याग, और बलिदान से भारत माता को अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। युवाओं को आव्हान करते हुए श्री चंद्रवंशी ने कहा कि आज के परिवेश में देश की एकता, अखंडता बनाए की बनाए रखने की जवाबदारी हम सब पर है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था कबीरधाम जिला के अध्यक्ष डॉ नरेश कुमार यदु ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी अध्यक्ष नगर पालिका कवर्धा को गुलाल का तिलक लगाकर सुत की माला पहनाकर स्वागत किया तथा उपस्थित सभी सम्मानियों सदस्यों को राजेश पांडे व सियाराम महोबिया ने गुलाल का तिलक लगाकर स्वागत किया। डा यदु अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था कबीरधाम जिला ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को लाहौर के लियालपुर जिले के बंगा ग्राम में हुआ था, मात्र 12 वर्ष की उम्र में वे जलियांवाला बाग कांड को देखने गए थे। वहीं से देशप्रेम की भावना जागृत हुई। 1928 सन में प्रसिद्ध सेनानी स्व लाला लाजपत राय के हत्यारे पुलिस ऑफिसर सांडर्स को मारा तथा सन 1929 में केंद्रीय विधानसभा कक्ष में बम फेंका उस समय कक्ष खाली था केवल बहरी अंग्रेज सरकार को चेतावनी देना था। तत्पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लाहौर जेल में डाल दिया गया था। उनकी फांसी 24 मार्च 1931 निर्धारित था लेकिन देश में उस समय भगत सिंह को रिहाई के लिए काफी प्रदर्शन हुए जिससे अंग्रेज सरकार घबराई गई और 24 मार्च के एक दिन पहले ही 23 मार्च सुबह फांसी दे दी गई। उस समय भगत सिंह की उम्र मात्र 23 वर्ष के थे। डा नरेश यदु अध्यक्ष स्वतंत्रता

सेनानी उत्तराधिकारी संस्था कबीरधाम ने बताया कि शहीद दिवस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का यह प्रथम प्रयास है। कई समाज प्रमुखों में मनीष तिवारी (बंटी) अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज, सागर सिंह राजपूत अध्यक्ष सर्व राजपूत समाज लायंस क्लब अध्यक्ष प्रेमचंद श्रीश्रीमाल कायस्थ समाज के आदित्य श्रीवास्तव इतिहासकार राष्ट्रपति पुरस्कृत, सिख समाज के मनजीत छाबड़ा, राजेंदर सिंह छाबड़ा, इतिहासकार महेश आमदे , सीनियर सिटीजन समिति कबीरधाम अध्यक्ष मदन तंबोली, हेमधर साहू, यादव समाज के डा नरेश कुमार यदु आदि लोगों ने अपने विचार रखे। सबसे खास बात है कि सिख समाज के नन्हे बच्चे हरजस सिंह सलूजा व हरजप सिंह सलूजा जो कि भगत सिंह के परिवेश में सजके आए और शहीद भगत सिंह अमर रहे के नारे भी लगाए। नन्हे बच्चों ने सभी का दिल जीत लिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने नगर पालिका कवर्धा सहित सभी गणमान्य नागरिकों द्वारा शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव शहीद चंद्रशेखर आजाद शहीद राजगुरु शहीद अशरफ उल्लाह खान शहीद सुखदेव और अमर जवान के प्रतिमा में पुष्पांजलि कर दीप प्रज्वलित किया गया तथा नमन किया गया। भारत माता की जय, वंदे मातरम्, महात्मा गांधी की जय, वीर शहीद अमर रहे, अमर रहे, स्वतंत्रता सेनानी अमर रहे नारों से वातावरण गूंज उठा। सिख परिवार की तरफ से देश भक्ति गीत मेरा रंग दे बसंती चोला.., गाया गया तो पूरा वातावरण देशभक्ति में डूब गया। पश्चात सामूहिक वंदे मातरम् गीत गाया गया और अंत में वीर क्रांतिकारी शहीदों की शहादत को याद करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। सिख समाज द्वारा स्वयं का साउंड बॉक्स कार्यक्रम हेतु लाया गया था। डा यदु अध्यक्ष ने सभी समाज के सदस्यों का गणमान्य नागरिकों का एवं नगर पालिका के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश चंद्रवंशी, लायन प्रेमचंद श्रीश्रीमाल, लायन नीरज मनजीत लायन बीएस चौहान लायन सोम वर्मा, सिख समाज से दलजीत पाहुजा, अनसुल खनूजा , गुरुदीप अरोरा, गोल्डी बग्गा, मनमोहन सिंह मुटरेजा, रश्मित कौर पाहुजा, गुरुदयाल सिंग छाबड़ा, लवली सिंग बग्गा, सुरिंदर सिंह पाहुजा, विन्नी सिंह तथा समस्त सिख परिवार, सीनियर सिटीजन समिति कबीरधाम जिला अध्यक्ष मदन तंबोली, रामप्रसाद यदु , बलदाऊ सोनी, सुखीराम चंद्रवंशी, फील्ड मार्शल मूलचंद देवांगन, भागबली साहू, पेंशनर एसोसिएशन कबीरधाम जिला अध्यक्ष विजय सिंह ठाकुर, सर्व राजपूत समाज अध्यक्ष सागर सिंह राजपूत, श्रीमती मधु तिवारी पूर्व पार्षद, श्रीमती सुषमा चंद्रवंशी, कैलाश शरण सिंह ठाकुर, व्यसनारायण तिवारी, राजेश पांडे, प्रभाकर शुक्ला, भंवर लाल लूनिया, बनरोत्तम महोबिया, वइंजी एस एस जैन महेश महोबिया, नगर पालिका के पार्षद व सियाराम महोबिया, जगन्नाथ हॉस्पिटल के डायरेक्टर डा दिलीप तिवारी, दीपक यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। शहीद दिवस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का सफल संचालन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था कबीरधाम के उपाध्यक्ष इंजी एसएस जैन ने किया।

9 लाख रूपये के हीरा के साथ कालाहाण्डी उड़ीसा के हीरा तस्कर को किया गया गिरफ्तार

आरोपी 34 नग हीरा अपना पास रख कर ग्राहकों का कर हा था, तलाश

गरियाबंद (समय दर्शन)। 24 मार्च को गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों को अवैध हीरा परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ था। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी गरियाबंद एवं सायबर टीम को अवैध हीरा तस्कर का पतासाजी कर रेड कार्यवाही के निर्देश दिये।जिसके परिपालन में थाना प्रभारी गरियाबंद थाना स्टाफ एवं सायबर टीम घटना स्थल रवाना किया गया।मुखबीर द्वारा बताये गये घटना स्थल ग्राम नहरगांव तिराहा स्कुल के पास एक व्यक्ति जो सफेद रंग का लाईनदार हाफटी शर्ट एवं नीला रंग का हाफपेंट पहना हुआ है अपने पास अवैध रूप से बहुमुल्य

हीरा जैसा चमकीला खनिज पदार्थ रखा कर ग्राहक का इंतजार करते खडा है। पुलिस स्टाफ गवाह तथा सायबर टीम के साथ मौका पहुच कर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया मौके पर आरोपी बंशीधर सेठी के कब्जे से 34 नग छोटे बडे चमकीले बहुमुल्य खनिज पदार्थ 1 नग रेडमी कंपनी का मोबाइल को समक्ष गवाहन के विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया।आरोपी का कृत्य अपराध धारा 303(2)बीएनएस 21(4) खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम 1957 अपराध धारा सदर का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण के आरोपी बंशीधर सेठी पिता डम्बरू सेठी उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम धोबापाडा थाना भवानीपटना जिला कालाहाण्डी उड़ीसा के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।गरियाबंद पुलिस कप्तान के द्वारा बताया गया कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध मामलों में संलिप्त लोगों पर निगाह रखी जा रही है। अवैध कृत्य पाये जाने पर विधिसंगत कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

इस कार्यवाही में थाना सिटीकोतवाली गरियाबंद एवं सायबर टीम की विषेष भूमिका रही।

पीएमश्री स्कूलों के टीचर्स का ड्रेस कोड तय होगा,10 वीं और12वीं के मूल्यांकन की इंस्पेक्शन की जेडी ने

जगदलपुर/कांकेर। उत्तर बस्तर में कांकेर प्रवास के दौरान संयुक्त संचालक एचआर सोम ने जिला शिक्षा कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

इसके उपरांत पीएम श्री शासकीय नरहर उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में संचालित विभिन्न प्रयोगशालाओं (लैब), पुस्तकालय (लाइब्रेरी) एवं अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। संयुक्त संचालक द्वारा उपस्थित शिक्षकों के साथ शैक्षणिक गुणवत्ता, अध्यापन पद्धति एवं विद्यार्थियों के सीखने के स्तर के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत विद्यार्थियों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु उत्कृष्ट दक्षताओं पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इसके साथ ही जिले में संचालित समस्त पीएम श्री विद्यालयों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित करने एवं उसका पालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

नशे के सौदागरों पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

आरोपियों के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा 10.36द्मद्द किमती 5,18,000रु को किया गया जप्त

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा नशे के खिलाफ अभियान चलाकर नशे के सौदागरों तथा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य मे प्रतिबंधित अवैध गांजा बिक्री करने के लिए परिवहन करने हेतु बस का इंतजार करने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है।

ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में दिनांक 23.03.2026 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि दो संदेही व्यक्ति बस स्टैंड जगदलपुर के पीछे में खडे है, जो अपने सयुक्त कब्जे में एक नीला रंग का पिट्ठू बैग रखे है जिसमें अवैध रूप मादक पदार्थ गांजा रखकर परिवहन करने के लिए बस का इंतजार कर रहे है, कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के दिशानिर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में थाना प्रभारी बोधघाट अन्य थाना स्टाफ के साथ टीम बनाकर सूचना की तस्दीकी तथा कार्यवाही हेतु तत्काल नया बस स्टैंड जगदलपुर पहुँच कर देखे जहां पर मुखबिर के बताये हुलिया के दो संदेही व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देखकर भागने लगे जिसे घेराबंदी कर पकड़े जिसे नाम पता पूछने पर अपना अपना नाम मोहम्मद नासिर पिता मोहम्मद उमर उम्र 40 वर्ष निवासी सादरा सेक्युलर थाना सरहद जिला सरहद दिल्ली एवं मुकेश कुमार पिता कचरा राम उम्र 26 वर्ष निवासी रावर विलाडा जोधपुर थाना कपेड़ा जिला जोधपुर राजस्थान का रहने वाला बताये जिसके तलाशी लेने पर नीले रंग के बैग के अंदर भूरे रंग के सेलो टेप में लिपटा तीन पैकेट में कुल 10.36 द्मद्द कुल किमती 5,18,000रु बरामद हुआ जिसे अवैध रूप से कब्जे में रखने/ परिवहन करने तथा बिक्री के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज आरोपियों द्वारा पेश नहीं करने से आरोपियों का यह कृत्य अपराध धारा 20 क्र(द्ब्द्ब)(ड्ड) ह्रष्ठक्कस्ल्ल का होना पाये जाने से उक्त मादक पदार्थ को विधिवत जप्त करते हुए उक्त आरोपियो को दिनांक 23.03.26 को विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 23.03.26 को न्यायिक रिमाण्ड हेतु माननीय विशेष ह्रष्ठक्कस्ल्ल न्यायालय जगदलपुर भेजा गया है।

महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी / कर्मचारी

निरीक्षक:- लीलाधर राठौर

उप निरीक्षक:- ललित नेगी, प्रमोद ठाकुर, लोकेश्वर नाग

प्रधान आरक्षक:- अहिलेश नाग, सुनील मनहर, पवन श्रीवास्तव

आरक्षक:- भैरव सिन्हा, कामदेव दर्रो, मानकू कोर्राम, विजय तिर्की , अवतार पटेल, थानेंद्र सिन्हा, होरी लाल आर्यों, परमानंद भोयर

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of M/S VIKRANT CARRIER vide Partnership Deed dated 12/11/2025 bearing Regn. No. D-RAIPUR-668/2012-13 dated 22/02/2013. Following changes took place on 19TH DAY OF NOVEMBER 2024 as under:

Name of Partner Admitted and date of her admission:

1. SMT. RISHU SINGH W/o SHRI VIKAS SINGH (19/11/2024)

Name of Partner retired (Due to Death) and date of her ceasing to be a partner:

1. SMT. INDU SINGH W/O LATE RANVIJAY BAHADUR SINGH (19/11/2024)

Further take notice that the business will thenceforth be carried on by the continuing partners alongwith the Incoming Partners under the old name and style as "M/S VIKRANT CARRIER" after that date.

M/S VIKRANT CARRIER
PARTNER.

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजनांदगांव, जिला-राजनांदगांव, छ.ग.

// ईश्तहार //

कं./420 /प्रवा.-3/ अविअ/2026
राजनांदगांव, दिनांक 18/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भोगवली वेंकटनारायणा पिता सूर्या राव पता क्रेस्ट स्टील एंड पावर प्रा0लि0, ग्राम जोरातराई , तहसील व जिला राजनांदगांव के द्वारा निज स्वामित्व की भूमि ग्राम जोरातराई,पटवारी हल्का नंबर 17, खसरा नबर 1353/2, 1353/3, 1354, 1339/2, 1353/1, 1353/4, 1337, 1338, 1340/2, 1340/1, 1340/3, 1349, 1350/2, 1351, 1352/1, 1352/2, 1352/3, 1352/4, 1391/4 रकबा(हेक्टेयर में) क्रमश: 0.445, 0.295, 0.381, 0.809, 0.388, 0.395, 0.522, 0.619, 0.121, 0.216, 0.113, 0.429, 0.216, 0.450, 0.186, 0.182, 0.186, 0.183, 0.162 कुल खसरा संख्या- 19 कुल रकबा 6.298 हेक्टेयर के औद्योगिक प्रयोजन हेतु पुनर्कर निर्धारण का आवेदन मय, खसरा बी-1, नक्शा, ऋण पुस्तिका , पंजीकृत बैनामा इत्यादि के साथ प्रस्तुत किया है।उपरोक्त कृषि भिन्न प्रयोजन के, पुनर्कर निर्धारण बाबत जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति इस उद्घोषणा प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर स्वत: या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 27/03/2026 तक न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
राजनांदगांव

बस स्टैंड से 10 किलो गांजा जब्त, 2 गिरफ्तार

जगदलपुर। जगदलपुर में बस का इंतजार कर रहे दो संदिग्धों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि अगला पल उनकी गिरफ्तारी का होगा। बोधघाट पुलिस ने सटीक मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के गांजे के साथ दोनों आरोपियों को दबोच लिया, जिससे नशे के नेटवर्क पर एक बड़ा वार हुआ है। बस्तर जिले के जगदलपुर में थाना बोधघाट पुलिस ने नशे के खिलाफचल रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। नया बस स्टैंड के पीछे घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो अवैध गांजा लेकर बस के जरिए उसे सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 10.36 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 18 हजार रुपये बताई जा रही है। 23 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति नीले पिट्ठू बैग में गांजा लेकर बस स्टैंड के पीछे खड़े हैं और परिवहन की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मोहम्मद नासिर (40), निवासी दिल्ली और मुकेश कुमार (26), निवासी जोधपुर राजस्थान बताया।

// न्यायालय तहसीलदार नजूल जिला-दुर्ग//

इश्तहार

रा.प्र.क्र./.202603104200002/अ-20(1)/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला आयुष अधिकारी, दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग) के ज्ञापन क्रमांक/1605/प्र.01/आयुष / 2026 दुर्ग, दिनांक 17/03/2026 के माध्यम से लेख है की ग्राम कसारीडीह स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 62 भूखण्ड क्रमांक 02 रकबा 7284 वर्गमीटर भूमि पर 30 बिस्तरीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय एवं आवासीय भवन निर्माण हेतु जिला आयुष अधिकारी कार्यालय के नाम से आबंटित किये जाने हेतु पत्र इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि आबंटन के संबंध में ग्राम कसारीडीह स्थित नजूल भूमि शीट क्रमांक 62 भूखण्ड क्रमांक 02 रकबा 7284 वर्गमीटर भूमि चिन्हांकित किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 06/04/26 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकतें हैं । समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 19/03/26 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया ।

तहसीलदार नजूल
दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

G-252607387/ 2

कार्यालय जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना, जिला-बालोद छत्तीसगढ़

Email-id-homeguardbalod219@gmail.com

-:: नीलामी सूचना ::-

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि इस विभाग के अंतर्गत बालोद जिले के निष्प्रयोज्य घोषित भण्डार सामग्रियों की निलामी दिनांक 09.04.2026 दिन गुरूवार को कार्यालयीन समय 11.00 बजे ग्राम जमरूवा में स्थित कार्यालय जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना, जिला बालोद छ.ग. में की जावेंगी। निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों में होमगार्ड जवानों की वर्दी सामग्री जैसे-जूता, मोजा, शर्ट, कैप, कंबल, दरी, मच्छरदानी, बरसाती, सलवार सूट, बेल्ट, किट बॉक्स,टायर ट्यूब तथा अन्य अनुपयोगी सामग्री भी शामिल है। संम्पूर्ण सामग्री एक ही लॉट में नीलामी की जावेगी। इच्छुक खरीददार नीलामी तिथि के एक दिन पूर्व कार्यालयीन समय में आकर नीलामी की जाने वाली सामग्री को देख सकेंगें।

1. प्रत्येक खदीददार को बोली लगाने के पूर्व रू. 1000/-(रू.एक हजार मात्र) नगर प्रतिभूति राशि जमा करना अनिवार्य होगा। जिन खरीददारों की बोली स्वीकार नहीं होगी उन्हें जमा की गई प्रतिभूति राशि वापस कर दी जावेगी।
2. खरीददार की उच्चतम बोली पर्यवेक्षक अधिकारी द्वारा स्वीकार कियें जाने पर संपूर्ण राशि जमाकर उसी दिन ही संपूर्ण सामग्री को उठाना होगा।
3. बोली लॉट में जहां है जितना है के आधार पर स्वीकार होगी।
4. नीलामी बोली की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति के अधिकार नीलामी कमेटी का होगा।

जिला सेनानी
एवं जिला अग्निशमन अधिकारी
नगर सेना जिला बालोद

G-252607355 / 1

संक्षिप्त-खबर

रेत के अवैध परिवहन पर की गई कार्रवाई: 13 हाईवा व 3 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा// समय दर्शन / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोकथाम हेतु राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानो का औचक जांच किया गया। खनि अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान रेत के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर अकलतरा क्षेत्र में 6 हाईवा, चांपा के हथनेवरा में 6 हाईवा व 3 ट्रैक्टर एवं पामगढ़ क्षेत्र में 1 हाईवा को जब्त कर कार्रवाई की गई। खनिजो के अवैध परिवहन के दर्ज प्रकरणों पर अवैध परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध खांन एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री महोबे के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के संबंध में खनिज विभाग द्वारा निरंतर जांच कार्यवाही की जा रही है, जो कि निरंतर जारी रहेगी।

रवेली निवासी धर्मेंद्र वर्मा संभालेंगे पाटन ब्लॉक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम रवेली निवासी धर्मेंद्र वर्मा को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन में अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें संगठन का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में दुर्ग जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर द्वारा आधिकारिक सूची जारी की गई। धर्मेंद्र वर्मा के कोषाध्यक्ष बनने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वे लंबे समय से सामाजिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज, पाटन राज के संगठन प्रभारी के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सामाजिक कार्यों के साथ-साथ धर्मेंद्र वर्मा कृषि क्षेत्र से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। वे पाटन ब्लॉक एग्री डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर भी कार्यरत हैं और किसानों से जुड़े मुद्दों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। अपनी नियुक्ति पर धर्मेंद्र वर्मा ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफदीपक बैज एवं जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

पाटन में कांग्रेस संगठन मजबूत, विक्रम चंद्राकर बने ब्लॉक महामंत्री

पाटन (समय दर्शन)। कांग्रेस संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर नई जिम्मेदारियों का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में जामगांव एम निवासी विक्रम चंद्राकर (विक्की) को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन का महामंत्री नियुक्त किया गया है। विक्रम चंद्राकर लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं और संगठन के प्रति उनकी सक्रियता एवं समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और क्षेत्र में संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नवनियुक्त महामंत्री विक्रम चंद्राकर ने अपनी नियुक्ति पर भूपेश बघेल, दीपक बैज तथा राकेश ठाकुर का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

'आत्मा' योजना के तहत फार्म स्कूल से किसानों को मिली नई दिशा

अरहर की कतार बोनी से बढ़ी उपज

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में कृषि के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एक्सटेंशन रिफॉर्म्स 'आत्मा' योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025-26 में ग्राम चातरखार में फार्म स्कूल का संचालन किया गया। इस पहल ने किसानों को उन्नत तकनीकों से जोड़ते हुए उत्पादन और आय में वृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त किया है। फार्म स्कूल के तहत प्रशिक्षक कृषक के रूप में दादुराम साहू (पिता पिरिथ राम साहू) का चयन किया गया, जिनके साथ 25 अन्य कृषकों को प्रशिक्षणार्थी के रूप में जोड़ा गया। प्रशिक्षक कृषक के खेत में 01 हेक्टेयर क्षेत्र में अरहर की फसल को कतार बोनी पद्धति से लगाया गया। कृषि विभाग द्वारा बीज उपलब्ध कराए जाने के साथ ही बोवाई से लेकर कटाई तक कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में चार चरणों में प्रशिक्षण आयोजित किया

गया। इस दौरान किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों, कतार बोनी विधि, आईपीएम किट के उपयोग तथा पौध संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषि विभाग के उपसंचालक ने बताया कि कतार बोनी पद्धति से कीट एवं रोगों का नियंत्रण आसान हुआ और लागत में भी कमी आई। इसके साथ ही प्रशिक्षक कृषक के खेत में अरहर की उपज 20 से 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त हुई, जो पारंपरिक खेती की तुलना में बेहतर परिणाम है। फार्म स्कूल के माध्यम से अन्य किसानों ने भी इस तकनीक को नजदीक से देखा और समझा, जिससे उनके बीच कतार बोनी पद्धति अपनाने की रुचि बढ़ी है। 'आत्मा' योजना के तहत इस प्रकार के फार्म स्कूल किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने और व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने का प्रभावी माध्यम साबित हो रहे हैं। यह पहल न केवल उत्पादन बढ़ाने में सहायक है, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रहे अपराध

युवाओं में बढ़ता नशापान अपराध का सबसे बड़ा कारण-मोक्ष

बसना (समय दर्शन)। दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रहे अपराध से समाज त्राहिमाम कर रही है।

कांग्रेस के सक्रिय नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती युवाओं में तेजी से फैलता नशा है।

यही नशा अब अपराधों की जड़ बन चुका है, जिसके कारण अपराध दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले जहां ग्रामीण क्षेत्रों में शांति और भाईचारा देखने को मिलता था, वहीं अब छोटी-छोटी बातों पर गंभीर अपराध जैसे मारपीट, हत्या और विवाद आम होते जा रहे हैं। हाल ही में बसना थाना अंतर्गत इन्दरपुर (मालिडीह) में हुई हत्या हो या सांकरा थाना क्षेत्र के बड़े टेमरी में घटित हत्या की घटना—दोनों ही मामलों में नशा एक प्रमुख कारण बनकर सामने आया है। यह स्थिति समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक और भयावह संकेत है।

मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि आज का

युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है। चाहे वह शराब हो या सूखा नशा (ड्रग्स), इसका सेवन युवाओं की सोचने-समझने की क्षमता को खत्म कर रहा है। नशे की हालत में युवा सही और गलत का फर्क भूल जाते हैं और गुस्से, आवेश या बहकावे में आकर अपराध जैसे गंभीर कदम उठा लेते हैं। इसका असर न केवल उनके भविष्य पर पड़ता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

उन्होंने आगे कहा कि नशे का कारोबार भी तेजी से फैल रहा है, जो युवाओं को इस दलदल में धकेल रहा है। यदि इस पर समय रहते सख्ती नहीं बरती गई, तो आने वाले समय में हालात और भी भयावह हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन और शासन से मांग की कि अवैध नशे के कारोबार पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के लिए सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो और ऐसे तत्वों को किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए।

मोक्ष कुमार प्रधान ने यह भी कहा कि केवल कानून व्यवस्था मजबूत करने से ही समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। युवाओं को जागरूक करने, उन्हें खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता है। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को भी नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने प्रदेश के गृहमंत्री से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ को अपराध की पहचान से मुक्त कर एक सुरक्षित और विकसित राज्य बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए नशे के खिलाफ एक व्यापक और कठोर अभियान चलाया जाना चाहिए।

अंत में उन्होंने कहा कि यदि समाज, प्रशासन और शासन मिलकर ठोस कदम उठाते हैं, तो निश्चित ही नशे और अपराध पर नियंत्रण पाया जा सकता है और युवाओं का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

अब सारंगढ़ जिले के किसान भी करेंगे मधुमक्खी पालन

मधुमक्खी पालन के नवीन तकनीकियो का जिले के 50 कृषकों ने लिया प्रशिक्षण

सारँगढ बिलाईगढ़-समय दर्शन इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल जी के मार्गदर्शन में डॉ. विवेक त्रिपाठी (निदेशक अनुसन्धान संचालक) एवं डॉ. एस.एस. टुटेजा (निदेशक विस्तार सेवाएँ) के निर्देशन में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन के तहत् कृषि विज्ञान केंद्र ड्डबोइरदादर रायगढ़ द्वारा दिनांक- 19.03.2026 से 25.03.2026 तक सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के 50 महिला एवं पुरुष कृषकों हेतु 7 दिवसीय प्रशिक्षण सह अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया 7 जिसका समापन समारोह दिनांक- 25.03.2026 को कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, उमेश साहू डिप्टी कलेक्टर, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ 7 उक्त कार्यक्रम में डॉ. बी.एस.राजपूत, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र ड्ड रायगढ़, आशुतोष श्रीवास्तव, उप संचालक कृषि, श्रीमती आकांक्षा उपाध्याय, सहायक संचालक उद्यानिकी, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, डॉ. के.के. पैकरा, डॉ. सी.पी.एफ सोलंकी एवं डॉ. भोगेश्वरी साहू, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र- रायगढ़, दीपक कुमार बंजारे, प्र.वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सारंगढ़, जे.पी. गुप्ता, श्री बोधराम सतनामी, मनीराम राम पैंकरा, भागवत प्रसाद सोनी, कृषि विकास अधिकारी सारंगढ़ एवं संबंधित क्षेत्रों के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं आत्मा योजनान्तर्गत कार्यरत बी.टी.एम एवं ए.टी.एम. उपस्थित रहे 7

सुबह 5 बजे से खेल मैदान में 'गैस युद्ध', प्रशासन के दावों के बीच जमीनी हकीकत की खुली पोल

पिथौरा(समय दर्शन)। महासमुंद जिले के पिथौरा नगर में इन दिनों शासन और प्रशासन की दावे के बीच आम जनता भीषण गर्मी में दिन भर गैस सिलेण्डर के लिए लाईन में खड़ी पीस रही है।

शासन प्रशासन तो लगातार बड़े-बड़े दावे किए जा रही हैं कि प्रदेश में रसोई गैस (LPG) की कोई कमी नहीं है, लेकिन पिथौरा के खेल मैदान से आने वाली तस्वीरें इन दावों की पोल खोल रही हैं।

यहां गैस सिलेण्डर पाने के लिए उपभोक्ताओं को जिस तरह की मशक्कत करनी पड़ रही है, वह प्रशासन की वितरण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

कड़कती धूप और व्यवस्था की कमी से किशोर किशोरियों,युवा युवती बुजुर्ग सभी एक घरेलू गैस सिलेण्डर पाने बेतरतीब कतार का हिस्सा हैं। पिथौरा के खेल मैदान में सुबह 5:00 बजे से ही लोग अपने खाली सिलेंडर लेकर कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि गैस वितरण सुबह 9:30 बजे शुरू होता है, यानी उपभोक्ता भीषण गर्मी और कड़कती धूप में 4-5 घंटे पहले से ही संघर्ष कर रहे हैं।

कतार में खड़े लोगों की संख्या के मुकाबले ऊंट के मुंह में जीरे के समान गैस सिलेण्डर का वितरण हो रहा है।

जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति से बढ़ी अव्यवस्था- मैदान में उमड़ी इस भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके पर जिम्मेदार अधिकारियों की पर्याप्त मौजूदगी नहीं दिख रही है। उचित प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी के अभाव में वितरण केंद्र पर अफ्रा-तफ्री का माहौल है।

आश्वासन बनाम हकीकत- प्रशासन के दावे को रौंदती ये भारी भीड़ की तस्वीरें आम जनता की पीड़ा को बयां कर रही है।

जब शासन बार-बार कह रही है कि गैस की कोई कमी नहीं है, तो फिर जनता को सुबह 5 बजे से लाइन में क्यों लगना पड़ रहा है? वितरण केंद्रों पर अधिकारियों की लापरवाही और सुस्त कार्यप्रणाली के कारण ही आज आम आदमी परेशान है। क्या यह व्यवस्था की विफलता है या जानबूझकर पैदा की गई।

प्रतिदिन मात्र 300 सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है, जो कि कतार में खड़े लोगों की संख्या के मुकाबले ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति से बढ़ी अव्यवस्था।

मैदान में उमड़ी इस भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके पर जिम्मेदार अधिकारियों की पर्याप्त मौजूदगी नहीं दिख रही है। उचित प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी के अभाव में केंद्र पर अफ्रा-तफ्री का माहौल है।

नकद लेनदेन और कागजी कार्यवाही के काउंटरों पर भी भारी भीड़ है, जिसे संभालने वाला कोई नहीं है। उपभोक्ता इस भय में जी रहे हैं कि कहीं उनका नंबर आने से पहले स्टॉक खत्म न हो जाए।

प्रशासन का आश्वासन बनाम हकीकत सवालों के घेरे में - जब शासन बार-बार कह रहा है कि गैस की कोई कमी नहीं है, तो फिर जनता को सुबह 5 बजे से लाइन में क्यों लगना पड़ रहा है? वितरण केंद्रों पर अधिकारियों की लापरवाही और सुस्त कार्यप्रणाली के कारण ही आज आम आदमी परेशान है। क्या यह व्यवस्था की विफलता है या जानबूझकर पैदा की गई किल्लत ? स्थानीय प्रशासन को अब इन सवालों के जवाब देने होंगे। इस गंभीर समस्या से पीसती आम जनता को राहत कब मिलेगी अभी तक यह अंधेरे में है।

पेंशनर समाज पाटन तहसील का वार्षिक सम्मेलन आयोजित

80 वर्ष पूरा करने वाले पेंशनर्स का सम्मान, जगन्नाथ मंदिर परिसर में हुआ आयोजन

पाटन। पेंशनर समाज पाटन तहसील का वार्षिक सम्मेलन पाटन के जगन्नाथ मंदिर परिसर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता के रूप में अधिकारी कर्मचारी राजपत्रिक अधिकारी संघ के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा, योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा और चेतन भारती शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने पेंशनरों के हितों और उनकी समस्याओं पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया। साथ ही पेंशनर समाज से हाल ही में जुड़े नए सदस्यों का भी अभिनंदन किया गया, जिससे आयोजन का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया। सम्मेलन में पेंशनर समाज के विकास, उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य की योजनाओं को लेकर व्यापक चर्चा की गई। वक्ताओं ने पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया। वार्षिक प्रतिवेदन अध्यक्ष हीरा सिंह वर्मा ने पढ़ा। वार्षिक आय व्यय की जानकारी कोषाध्यक्ष के पी हिरवानी ने दी। इस अवसर पर सचिव विष्णु वर्मा, अमर चंद वर्मा, सहित पेंशनर समाज के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहें

नारायणा स्कूल सभी मानकों और नियमों को कर पूरा कर संचालित कर रहा स्कूल ..... प्राचार्य

बिलासपुर (समय दर्शन)। नारायणा ई टेक्नो स्कूल के संचालन को लेकर कतिपय सोशल मीडिया में चल रही खबरों को लेकर स्कूल के प्राचार्य और मैनेजर ने मीडिया के समक्ष अपनी बातें रखी और बताया कि विद्यालय के संबंध में सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों के जरिए विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का प्रसार किया जा रहा है, जिनमें से कुछ सूचनाएं अधूरी या भ्रामक प्रतीत होती हैं। इन परिस्थितियों में, विद्यालय का यह दायित्व बनता है कि वह तथ्यात्मक स्थिति को स्पष्ट करते हुए अपना पक्ष विनम्रतापूर्वक प्रस्तुत करे, ताकि अभिभावकों एवं समाज में किसी प्रकार की अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

स्कूल के प्राचार्य प्रभाष चंद्र और मैनेजर आर नवीन कुमार ने बताया कि दिनांक 14 मार्च 2026 को विद्यालय से संबंधित विषय सार्वजनिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ।. 14 मार्च 2026 (अपराह्न) को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विषय का संज्ञान लेते हुए विद्यालय को 2 कार्य दिवस में अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।. विद्यालय प्रबंधन द्वारा पूर्ण तत्परता दिखाते हुए 16 मार्च 2026 को (पूर्वाह्न) में निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना पक्ष प्रस्तुत कर दिया

गया।. 16 मार्च 2026 को मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि जांच प्रक्रिया के दौरान भी विभिन्न माध्यमों में विद्यालय के संबंध में विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का प्रसार जारी रहा।. चूंकि विषय जांचाधीन है, अतः विद्यालय ने जांच की निष्पक्षता बनाए रखने हेतु सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने में संयम रखा। उपरोक्त सभी बिंदुओं के संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा विधिवत जांच समिति गठित कर जांच प्रक्रिया संचालित की जा रही है। विद्यालय यह स्पष्ट करता है कि वह सभी निर्धारित नियमों, मानकों एवं वैधानिक प्रावधानों का पूर्णतः पालन कर रहा है।विद्यालय की स्थापना से लेकर मान्यता और संबद्धता तक की प्रक्रिया पर विद्यालय यह स्पष्ट करना चाहता है कि किसी भी शैक्षणिक संस्था का संचालन एक सुनियोजित एवं चरणबद्ध प्रक्रिया के अंतर्गत होता है-. स्थापना के लिए पंजीकरण, भूमि एवं भवन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं, आधारभूत संरचना एवं सुरक्षा मानकों की पूर्ति जरूरी है। इसी तरह राज्य मान्यता के लिए राज्य शिक्षा विभाग के निर्धारित मानकों के अनुसार आवेदन, निरीक्षण एवं स्वीकृति की प्रक्रिया होती है।

निरंतर अनुपालन के क्रम में DISE पंजीकरण, योग्य शिक्षकों की नियुक्ति, शुल्क समिति का गठन एवं विभागीय दिशा-निर्देशों का पालन भी करना पड़ता है । इसी तरह. CBSE संबद्धता अंतर्गत निर्धारित मानकों की पूर्ति के उपरांत CBSE से संबद्धता हेतु आवेदन एवं निरीक्षण प्रक्रिया होती हैविद्यालय इन सभी प्रक्रियाओं एवं मानकों के अनुरूप कार्य कर रहा है।प्राचार्य और मैनेजर ने कहा कि विद्यालय यह स्पष्ट करता है कि किसी भी कर्मचारी के मूल दस्तावेज विद्यालय द्वारा बंधक नहीं रखे गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर सभी संबंधित दस्तावेज जांच समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकते हैं।विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता युक्त, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें अवधारणात्मक समझ, अनुशासन एवं समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शैक्षणिक गुणवत्ता एवं अधोसंरचना के उच्च मानकों को बनाए रखने हेतु राष्ट्रीय स्तर की संस्था NSPIRA के माध्यम से शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त किया जाता है। उन्होंने बताया कि नारायणा एक राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित एवं विश्वसनीय शैक्षणिक संस्था है, जो पिछले लगभग 47 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है तथा देश के 25 से अधिक राज्यों में 850+ विद्यालयों का संचालन कर रही है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर मकान नं.-107, वार्ड नं. 26, मदर टेरेसा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)- 494001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, मो. 9827104452, दुर्ग कार्यालय- फोन नं.-0788-4051213, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CTHIN/26/A1375